

थेरेपी

विपिन भाई यानी जीरो थेरेपी ; का कहना है कि शरीर स्वयं में इतना इंटेलिजेंट है कि उसे किसी डॉक्टर आदि की सलाह की जरुरत नहीं है। शरीर को जब जिस चीज की जरुरत पड़ती है मन में उस चीज को खाने की इच्छा जाग जाती है। इससे शरीर को उसकी पूर्ति हो जाती है। शरीर भौतिक रूप में जितना दिखता है उससे कई लाख गुणा मन में क्रियाएं होती है। मन और मन में उठी भावना ही शरीर के संचालन की कुंजी है।

जीरो थेरेपी : बिलकुल ऐसा संभव है कि आदमी बिमार ही न पड़े। इसके लिए दो काम करने की जरुरत है। 1) रासायन मुक्त भोजन का प्रयोग और 2) भोजन में गलत मिलावट से बचना। इस बार जीरो थेरेपी परिवार में चर्चा का विषय रहा : एड्स, भावना और हाईब्रीड अनाज।

एड्स के संबंध में कई लोगों का कहना था कि उनकी जानकारी में कई ऐसे वैद्य हैं जो गारंटी के साथ एड्स को ठीक करने का दावा रखते हैं। और इसके लिए डरने की कोई जरुरत नहीं हैं जैसा कि आजकल हौवा बना हुआ है। यह रोग भले ही एलोपैथी थेरेपी के दृष्टिकोण में असाध्य हो लेकिन भारतीय चिकित्सा पद्धति में साधारण उपचार संभव है।

हाईब्रीड अनाज (बीज) के संबंध में जो चर्चा रही वह यह कि संभव हो तो हाईब्रीड अनाज के सेवन से बचें। हाईब्रीड अनाज में पौष्टिकता नहीं के बराबर है। हाईब्रीड केवल पेट भरने के लिए ठीक है। इस संबंध में एक सटिक उदाहरण यह दिया गया कि जिस अनाज में अंकुरण शक्ति ही नहीं हो वह कैसा हो सकता है इसका अनुमान लोग खुद लगा लें ?

भावना (फीलिंग) के बारे में विपिनभाई ने कहा कि शरीर की प्रत्येक क्रिया भले ही वह भौतिक हो या मानसिक, भावना से जुड़ी होती है। और भावना को ध्यान में रख कर जो कुछ भी किया जाएगा वह शरीर के पक्ष में गलत नहीं हो सकता।

विगत सभा में दिनचर्या चर्चा के दौरान दांत की सफाई के ऊपर लम्बी चर्चा चली थी। इस पर विपिनभाई ने समझाया कि दांत के रोगों का मुख्य कारण टूथपेस्ट और दांत के डॉक्टर (डेन्टिस्ट) हैं। प्राकृतिक रूप से दांतों का रंग हल्का पीला होता है जिसे चमकाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। चमकाने के चक्कर में दांतों के ऊपरी लेयर में स्थित एनेमल घीस जाता है जिससे दांत कमजोर हो जाते हैं और डेन्टिस्टों के यहां चक्कर लगाने की जरुरत पड़ती है।

फिर प्रश्न किया गया कि तो फिर किस प्रकार से दातों की सफाई की जाए? इस पर विपिन भाई का कहना है कि सबसे उत्तम है कि दातों की सफाई के लिए नीम की कुच्ची (दातुन) का प्रयोग करें। लेकिन दांतों को ज्यादा घीसें नहीं। कुच्ची को दातों से चबाएं। कुच्ची से जो रस निकलता है उससे दातों की जितनी सफाई होनी चाहिए हो जाएगी। इसके बाद पानी से कुल्ला करें और अंगुली से हल्का दातों का मसाज कर लें। दातों की सफाई के लिए यही सबसे उत्तम तरीका है।

इस पर प्रश्न यह उठाया गया कि अगर नीम कुच्ची उपलब्ध नहीं हो सके तो क्या करना चाहिए ? इस पर विपिनभाई ने कहा कि सिर्फ अंगुली से दातों को रगड़ कर साफ करें और पानी से जोरदार कुल्ला करें। इससे दातों में जमा खाद्य पदार्थ का अंश पानी के साथ बाहर निकल आएगा।

अन्य जानकारी के लिए विपिन भाई से प्रत्येक सोमवार को चेन्नै के राजस्थानी असो. कार्यालय में सायं 8 बजे से 9 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।



"किसी भी जीव की आयु श्वांसों की गिनती पर निर्धारित है और काया शुद्ध हवा, पानी और अनाज पर। अगर शरीर को हम किसी भी कीमत पर शुद्ध-प्राकृतिक हवा, पानी और अनाज दे सकें तो स्वस्थ्य जीवन की कामना संभव है एवं अपनी सांसों को बचा सकें तो लंबी आयु संभव है।"

थेरेपी

श्वासों की गिनती पर टिकी है उम्र

जीरो थेरेपी के जनक विपीनचंद जी की सोच - मानव जीवन की प्रत्येक गतिविधियां भावना पर आधारित है। भावनाओं का ही खेल है कि मनुष्य बीमार पड़ता है और स्वयं ठीक भी हो जाता है। किसी के लिए अच्छी कामना करता है और कामनाएं फलित होती है।

भावनाओं के इस खेल पर विपीनचंद जी का कहना है कि मनुष्य के शरीर और खासकर शिखर भाग से प्रतिक्षण लाखों तरंगें निकलती है। इन तरंगों में उस मनुष्य की प्रकृति, उसका सोच और उसकी क्रिया-कलापों के गुण निहित होते हैं। जब वे अदृश्य तरंगें दूसरे लेकिन निर्धारित व्यक्ति को छू जाती है तब उन तरंगों के माध्यम से गुण - अवगुण, श्राप - आशीर्वाद का संचार होता है।

मनुष्य की आयु पर विपीनचंद जी कहते हैं कि मनुष्य की संपूर्ण आयु उसके सांसों की गिनती में निहित है। जीवन जब शुरु होता है उसी समय उसकी आयु श्वांसरुपी मानक पर निर्धारित हो जाती है। जैसे अमुक व्यक्ति की आयु 10 करोड़ श्वांस लेनें तक है। वे इन संभावनाओं पर भी जोर देते हैं कि मुगलों के पूर्व के भारत में जब महर्षि हुआ करते थे तो वे प्राणायाम के माध्यम से अपनी सांसों को इसलिए रोकते थे ताकि उनकी आयु लंबी हो जाए।

स्पष्ट है कि हम जितना जल्दी-जल्दी सांस लेंगे हमारी आयु उतनी घटती जाएगी और सामान्य गति से लिया हुआ श्वांस प्रकृति द्वारा प्रदत्त पूर्ण काल तक जीवन प्रदान करेगा। जीवन के इस गूढ़ श्वांस गणित को जो योगी समझते हैं वे बारबार अपने जीवन काल में समाधिमग्न होकर इसी प्रक्रिया के तहत अपनी आयु को बढ़ा लेते हैं।

विपीनचंद जी इस बात पर भी गौर करने के लिए कहते हैं कि आप उनके जीवन पर भी गौर करें जिन्हें अपने कार्य के दौरान अधिक सांस लेने की जरुरत पड़ती है - उनकी आयु समय के पैमाने पर छोटी हो जाता है। जैसे धावक, भारी काम करनेवाला व्यक्ति आदि।

अगर हम इस श्वांस विज्ञान को समझ लें तो जीवन को बिना दवा और बिना दुआ के रोगमुक्त बना सकते हैं। हम शरीर को उसके संचालन के लिए जिन-जिन प्रकारों को प्रदान करते हैं उसकी शुद्धि-गुणवत्ता जीवन में सबसे मूल्यवान वस्तु है। जैसे - हवा, पानी और अनाज।

हवा, पानी और अनाज इन तीनों की शुद्धि में ही स्वस्थ्य काया की कल्पना की जा सकती है। अतः हमें प्रदूषित एवं दुर्गंधित वायु एवं पानी तथा रसायनिक कृत्रिम अनाज से जहां तक संभव हो सके बचने का प्रयास करना चाहिए।

बिना दाव के बीमारी का शर्तिया इलाज

हिंगनघाट। फटाफट काम हो ऐसे वर्तमान युग में कोई जादुगर बिना दवाई के इलाज कर सकता है इसपर विश्वास नहीं होता है। चेन्नई निवासी इले. इंजि. सफलतम व्यापारी विपीनचंद बंब को यह महारत हासिल करने के लिए खुद का मौलिक ज्ञान काम आ रहा है। आज तक अनगिनत विभिन्न रोग ग्रस्त (जिसमें दुर्धर रोग भी है) रूग्णों को रोगमुक्त कर दिखाना अविश्वसनीय लगता है। पर सच के धरातल पर यह खरा उतरा है।

विपीनजी ३ दिनों के दौरे पर रालेगांव (गुट्टुसेठ के उद्यान में) एक दिन रहे। उनके साथ हर उम्र के कोई भी किस्म के रूग्ण अपनी स्वस्थता के लिए 'अंकल' को भगवान सदृष्य मानते हैं। दो दिन श्री जैन श्वेतांबर पार्श्वनाथ मंदिर भांदक में रहे। यहां भी कुछ नये रोगियों ने उनसे परामर्श प्राप्त कर अपने आपको धन्य माना है।

कुछ वर्षों पूर्व इसी प्रकार लगभग २०० लाभार्थी रूग्ण उनके साथ तीन दिन रहे। दोनों ही मौकोंपर अपने मन की बात रखते हुए प्रसन्नता की अनुभूति करते दिख रहे थे।

'अंकल' इन सब को अपने ही खर्चे से चेन्नई आने जाने एवं अन्य व्यवस्था का समूचा खर्च उठाते रहे हैं।

उनका दावा (जो सच भी है) रहा है कि अब तक जितने बीमारों को झीरो थिरॅपी से रोगमुक्त किया है वे सभी वर्षों से कोई भी पॅथी की दवाओं का इस्तेमाल नहीं करते हैं। उसका पूरा श्रेय 'अंकल' को देते हुए गद्‌गद् हो जाते हैं।

किसी भी किस्म के बीमार को अलग से न देखते हुए उन सब को नियत दिन और समयपर संबोधित करते हैं। उनके व्यवसायी पुत्र निलेश भी इस मिशन में बराबरी का योगदान देते हैं। बंबजी कुछ अंतराल से हिंगनघाट आते रहते हैं। उसका कारण उनका ससुराल हिंगनघाट के नामचीन कोठारी परिवार में है। यह अनोखी बात है कि जीवन में आये अनेक संकटों का निवारण इस परिवार ने ही किया है। हर मोडपर कोठारी परिवार खासतौर से उनकी सहधर्मचारिणी सौ. उषा अडिग रूप से पुरी समर्थता के साथ निभाती रही है।

आखिर माजरा क्या है ? विश्व में यही एकमात्र ऐसी पॅथी है कि जिसके जनक बंब साहब है। यह वरदान है? या कोई अतिंद्रिय शक्ति काम कर रही है? यह ईश्वरीय वरदान है। रूग्णपर कृपावंत होकर उसे पूर्णत: निरोगी बनाकर कोई भी फीस नहीं है न खुद या किसी संस्था के लिए कोई प्रकट या छिपे रूपसे शुल्क नहीं लगता है। कर्म किये जा रहे हैं उसके फल की कभी भी कोई अपेक्षा नहीं है। दुखियों के दु:ख दूर करना यही इनका मिशन है। इस खोज में न इनके कोई गुरू हैं यह कोई शिष्यगण भी नहीं हैं। उनका स्पष्ट रूपसे कहना यह है कि मेरे परिवार के लिए जो भी खर्च करना पडता है, वह इन्हें व्यवसाय से भरपूर मात्रा में प्राप्त है।

बस मदत प्राप्त कर्ता को खानपान में सुयोग्य परिवर्तन करना है। जिंदगीभर शाकाहारी बना रहता है। जैन भोजन में इनकी आस्था है।

श्रीलंका में अनेकों को शाकाहारी बना चुके हैं। वहां शाकाहारी संस्थाओं को चालना देकर दुनिया में शाकाहार का प्रचार, प्रसार ही इनका एकमात्र लक्ष्य है। इंग्लैंड, अमेरिका में भी अपने तरिके से रूग्णों को लाभान्वित करने का श्रेय इन्हें प्राप्त है।

खुद के लिए किसी से भी कुछ द्रव्य नही पाते किन्तु समाजोप्रयोगी, धार्मिक संस्थाओं को बाकायदा अपनी जेब से अब तक लाखों रूपये देने में कोई कोताही नहीं बरती।

स्वयं क्रिकेट के अच्छे खिलाडी ओपनिंग बॅटस्मन, विकेट कीपर रहे हैं। किसी भी रूग्ण को स्वस्थ करने में इनकी विकेट आज भी अबाधित है।

झीरो थिरॅपी फाऊंडेशन २००४ से कार्यरत है। सौ रूग्ण प्रतिदिन लाभान्वित होते है। ऋषितुल्य, चमत्कारी आधुनिक धन्वंतरी 'एकला चलो रे' तत्व को जीवन ध्येय बनाते हुए आगामी दो वर्षों में ७५ वर्ष के हो जायेंगे तब इस महानायक के निम्न विचार उपयोगी होंगे।

कार्यालय नगर परिषद, हिंगणघाट

जाहीर नोटीस

कर संग्राहक- एम.व्ही. घाटे
कर विभाग/दा.खा.प. /२०१६-१७

या जाहिर नोटीस द्वारे कळविण्यांत येते की, हिंगणघाट नगर पालिका क्षेत्रातील यशवंतनगर वार्ड क्र.३३ मध्ये असलेले गाळा क्र.२८९/१ सौ.भावना उन्मेश खाडे यांचे नावाने मालक म्हणुन न.पा. रेकार्डला दर्ज आहे. सदर गाळा क्र.२८९/१ दिनेश अशोक येनोरकर

Scientists identify new approaches



बहुत आसान है बिमार नहीं पड़ना ?

इस सप्ताह चर्चा में - 'दिनचर्या'

जीरो थेरेपी के आविष्कारक 'विपिनचन्द्र' का सामाजिक दायित्व वाला परिवार प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को एक ऐसे दिनचर्या पर विचार करता है कि ''आदमी कभी बिमार ही न पड़े''। उस सभा में जिन-जिन बिन्दुओं पर विपिन भाई वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हैं उसे जन साधारण तक पहुंचाने के लिए प्रस्तुत है यह मासिक कॉलम।

प्रकृति ने चेन्नै की धरती पर एक ऐसा व्यक्तित्व दिया है जो प्रचार करते हैं कि "बहुत आसान है बिमार नहीं पड़ना"।

पेशे से ताप ऊर्जा के क्षेत्र में इलेक्ट्रानिक्स व्यापारी और उनके दूकान पर भीड़ लगती है उन बीमार लोगों की जो चिकित्सा के नाम पर विभिन्न थेरेपी के चिकित्सकों के यहां चक्कर लगाते-लगाते थक जाते हैं। कभी-कभी तो जाने-माने डॉक्टर भी अपना दुखड़ा सुनाते मिलते हैं।

इस व्यक्तित्व का नाम है - विपिनचन्द्र। और इनके सामाजिक दायित्व वाले परिवार का नाम है 'जीरो थेरेपी परिवार'। यह परिवार प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को एक साथ बैठता है और फिर बात चलती है उन बिन्दुओं पर कि "बिमार नहीं पड़ना बहुत आसान है"।

इस बैठक में जीरो थेरेपी परिवार के सदस्य उन बिन्दुओं को उठाते हैं जो आदमी के जीवन में रोज-मर्रे की बात है। और विपिनभाई उस पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण देते हैं। वे कहते हैं कि मुख्य रूप से दो बातों पर ध्यान दिया जाए तो आदमी कभी बिमार ही न पड़े। 1) भोजन रसायन मुक्त हो और 2) भोजन का कंबिनेशन गलत नहीं हो। विगत माह रसायन मुक्त भोजन पर आगे कोई बात नहीं बढ़ी लेकिन भोजन के कंबिनेशन पर विपिन भाई ने कहा कि इतना जान लें कि 'भारत में जो पारंपरिक रूप से भोजन विज्ञान प्रचलन में है वह पूर्ण रूप से सही कंबिनेशन है'। जैसे चावल के साथ दाल खाना, रोटी के साथ सब्जी खाना आदि ... आदि।

सभा में चाय और कॉफी की बात निकली। विपिन भाई ने कॉफी के बारे में शब्दों की चुस्कियां लेते हुए कहा कि 'तमिलनाडु के अय्यर बड़े चालाक हैं वे कॉफी को कभी भी गर्म-गर्म नहीं पीते। और ग्लास को बिना होठों से सटाए सीधे कंठ में उतार लेते हैं। इस प्रचलन की वैज्ञानिकता यह है कि कॉफी के सेवन में जीभ को सम्मिलित नहीं करना चाहिए।

एक सज्जन ने पूछा कि सुबह-सुबह पानी क्यों पीते हैं ? दूसरे सज्जन ने कहा कि मोसन उतारने के लिए। इस पर विपिनभाई ने तर्क रखा कि पानी का मोसन से क्या रिस्ता ? पानी पीने से पेसाब होना चाहिए, मोसन क्यों ? विपिनभाई ने सुबह-सुबह भर लोटा पानी गटकने को अप्राकृतिक बताते हुए कहा कि इससे यकृत (किडनी) ओवरलोड होकर मोसन में प्रेसर बनाता है। और उन्होंने ऐसा नहीं करने की सलाह दी।

- क्रमशः

4 नवम्बर शनिवार

♦ स्वर्ण महोत्सवम्

चेन्नै। आंध्र प्रदेश के निमार्ण की स्वर्ण जयन्ति (50 वर्ष) के उपलक्ष में विश्व तेलगु संघ के सदस्यों ने बुधवार को स्वर्ण महोत्सवम् मनाया।

♦ योग चिकित्सा कोर्स

चेन्नै। अस्थमा और मधुमेह के लिए योग चिकित्सा के कोर्स का आयोजन 6 से 30 नवम्बर तक बसंत नगर में प्रातः 6 से 8 और चूलै में शाम 6 से 7 बजे तक योग चिकित्सा और अनुसंधान केन्द्र द्वारा किया गया है। सम्पर्क : 26692021, 94443 68448

♦ विकलांग केन्द्र

चेन्नै। बुधवार को अडयार के शास्त्री नगर में विकासशील विकलांग बच्चों के लिए प्रशिक्षण हेतु एक केन्द्र का उद्घाटन हुआ।

❖ श्रीनाथद्वारा से मथुरा

327 वर्ष बाद श्रीनाथद्वारा से ळड्डुगोपाल ठाकुर जी नन्द-महोत्सव हेतु 15 दिनों के लिए मेवाड़ ऐक्सप्रेस द्वारा मथुरा पधारे। 15 नवम्बर तक उनके मथुरा प्रवास के दौरान श्रीनाथद्वारा के उनके हिन्दु -मुस्लिम श्रद्धालु भक्त दर्शन हेतु व्याकुल रहेंगे।

❖ गंगा किनारे पुनर्जन्म

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास की दस्तावेजी फिल्म की शूटिग के दौरान यहां आए महानायक अमिताभ बच्चन ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि वे गंगा किनारे पुनर्जन्म लेना चाहेंगे।

❖ भारतीय सलाहकार

दवा और दुआ नहीं; भावना प्रधान है



''कुछ ऐसे जीएं कि बीमार ही न पड़ें। यह सोच कोरी कल्पना नहीं वास्तविक है। लेकिन इसके लिए हमें दो बातों को अपने जीवन में उतारना होगा। प्रथम- प्राकृतिक भोजन और दूसरा-खाने की वस्तुओं में रौंग कांबिनेशन से बचना। और ये दोनों तभी संभव है जब हम भारतीय जीवन शैली को फिर से अपना लें क्योंकि हमारी परम्पराएं वैज्ञानिकता की कसौटी पर खरी-खरी हैं।''

आम आदमी के जीवन में पॉलिस्टर किस प्रकार खतरनाक है इसका एक सरल उदाहरण देते हुए विपीनचंदजी बताते हैं कि एक बार उनके एक पांव के नीचे एक छोटी सी गांठ बन गई।

उन्होंने जब उस गांठ पर अध्ययन शुरु किया तो काफी दिनों तक पता ही नहीं चला कि अचानक ऐसा क्यों हुआ। काफी दिनों तक अध्ययन करने के बाद पता चला कि उस स्थान के रक्त सैल मृतप्राय हो गए हैं इस कारण ऐड़ी के पास का वह छोटा सा भाग कड़ा या गुठली जैसा हो गया है।

आखिर ऐसा क्यों हुआ। इस पर शोध करने के बाद पता चला कि विपीनचंद जिस चप्पल को पहनते थे उसमें एक पॉलिस्टर का स्टीकर सटा हुआ था। जिसे कबाड़े बगैर ही उन्होंने चप्पल का प्रयोग शुरु कर दिया था। पहनने के दौरान काफी देर तक पॉलिस्टर के संपर्क में पैर के तलवे का वह भाग रहने से वहां के रक्त सेल मृत प्राय हो गए थे। जिस कारण मृत रक्त सेल गुठली का आकार ले चुका था। जिसे सामान्य होने में लगभग छः माह लग गए।

इस छोटे एवं आवश्यक उदाहरण से हमें ज्ञात हो जाना चाहिए कि हमारे जीवन में पालिस्टर से बनी वस्तुएं कितनी खतरनाक हो सकती है।

विपीनचंदजी जिस जीरो थेरेपी की बात करते हैं उसका मुख्य आधार वे भावना बताते हैं। उनका कहना है कि प्राणी शरीर में प्रति क्षण लाखों की संख्या में भावनाओं की तरंगें निकलती रहती है। ये ज्यादातर वायुमंडल में विचरित करती हैं और कुछ समय के बाद विलीन हो जाती है। कुछ जो किसी व्यक्ति या प्राणी के संबंध में किसी के द्वारा सोचे जाने के कारण उपजी है वह वहां तक पहुंच कर उस व्यक्ति पर प्रभावकारी होने लगती है।

मस्तिष्क में लाखों की संख्या में प्रकार-प्रकार के रसायन हैं जो उन तरंगों से टकराकर आवश्यक तत्व बनाने में जुट जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वे बताते हैं कि एक महिला ने उन्हें फोन पर बताई की उसे कई दिनों से सर्दी है और ठीक नहीं हो पा रही है।

उस महिला को विपीनचंदजी कुछ आवश्यक भोजन की वस्तु खाने की सलाह देते हैं और कहते हैं कि ठीक हो जाओगी। इसका अर्थ हुआ कि विपीनचंदजी के मन में उठी भावना और उस महिला की सोच के कारण उस महिला के मस्तिष्क में स्थित रसायन प्रतिक्रिया करके कुछ ऐसे तत्व बनाने में जुट गए जिससे सर्दी ठीक होने लगी।

अतः सर्दी ठीक होने में विपीनचंदजी ने ऐसा कोई जादू-मंतर नहीं किया। उस महिला के मन के उन भावनाओं को जागृत कर दिया जिससे मस्तिष्क आवश्यक रसायन का निर्माण कर सका और सर्दी ठीक हो गई। विपीनचंदजी इसमें खाने-पीने की वस्तुओं की भूमिका को भी दूसरे स्थान पर रखते हैं। और कहते हैं - भावना ही प्रधान है - प्रबल है।

जीरो थेरेपी के बारे में विशेष जानकारी प्राप्त करने के लिए 'जीरो थेरेपी' सेसन में भाग ले सकते हैं।

स्थान : राजस्थान असो. कार्यालय
धनलक्ष्मी कॉम्पलेक्स
एन एस सी बोस रोड़, चेन्नै-79
समय : प्रत्येक सोमवार,
सायं 8 बजे से 9 बजे तक।

वर्षा के मौसम में जरा संभल के



बरसात के मौसम में गाड़ी जरा संभल के चलाएं, फिसल गए तो हड्डियां टूट सकती है। लेकिन इतनी सावधानी से ही काम करना चाहिए।

इस ऋतु में शरीर को स्वच्छ एवं सूखा रखना चाहिए। वर्षा में भीगना

TRINITY MIRROR

MONDAY 25-6-2018



An exhibiton cum lecture on food for emotional intelligence was organized in Chennai on 23rd and 24th June, 2018. The event was organized by Zero Therapy, a non profit voluntary group. Founder Vipinchand Bomb, who has inspired hundreds of people to follow this 'Satvik' life style, was on hand on clear doubts and answer questions of the visitors. Dry and wet properties of fruits and vegetables including Ph, sugar content, moisutre etc, were shown/demonstrated. The energy of various food items and experience how it effects your aura in positive and negative was demonstrated. Truth was served on vegetarianism and food can do for emtoinla balance with over 300 charts were exhibited. Vipin Chandra Bomb, Zero Therapy, Author of vegetarianism, for human health and animal wealth; Sugalchandji Jain, renowned Philonthropher released the book. Prakashji Mutha of PGP accepted the first copy.

2 தினமணி சென்னை

★ வெள்ளிக்கிழமை, 22 ஜூன் 2018

சென்னையில் இயற்கை மருத்துவக் கண்காட்சி

நாளை தொடக்கம்

சென்னை, ஜூன் 21: சென்னை அயனாவரத்தில் 'ஜீரோ தெரபி' எனப்படும் இயற்கை உணவுக் கண்காட்சி, கருத்தரங்கம் சனி, ஞாயிற்றுக்கிழமைகளில் (ஜூன் 23, 24) நடைபெற உள்ளது.

இதுகுறித்து கண்காட்சி ஒருங்கிணைப்பாளர் ராஜேஷ் கூறியது: அயனாவரம் பேருந்து நிலையம் அருகே கொன்னூர் நெடுஞ்சாலையில் உள்ள ஜெயின் தாதா வாடி மைதானத்தில் சனிக்கிழமை காலை 11.30 மணி அளவில் இக் கண்காட்சி தொடக்க விழா நடைபெறுகிறது.

முதல் நாள் கண்காட்சியில் ரசாயனம் பயன்படுத்தப்படாத காய்கறிகள், அவற்றில் உள்ள சத்துகள் குறித்து டிஜிட்டல் முறையில் விளக்கப்படுகிறது. இதில் எந்தெந்த நோய்க்கு என்ன உணவு, எவ்வளவு அளவு சாப்பிட வேண்டும் என்பது குறித்த விளக்கங்கள் அளிக்கப்படுகிறது.

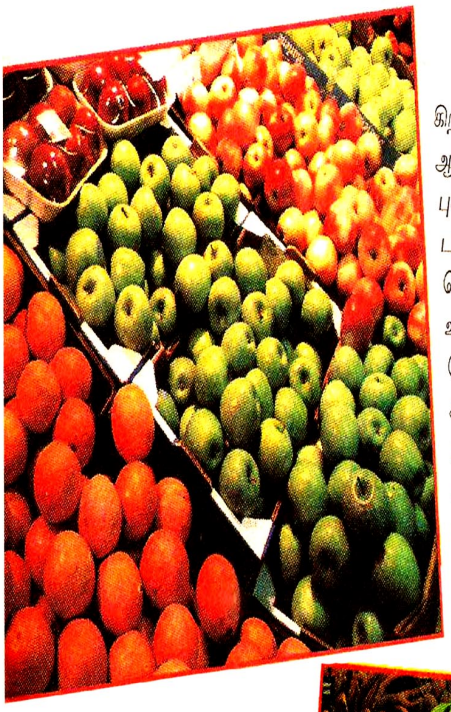
இரண்டாம் நாளான ஞாயிற்றுக்கிழமை மாலை 6 மணி அளவில் நடைபெறும் கருத்தரங்கில் 'ஜீரோ தெரபி' உணவு முறையின் நிறுவனரான விபின் சந்த் பாம்ப் கலந்து கொண்டு 'மருந்தில்லா மருத்துவம்', இயற்கை உணவு முறை உள்ளிட்டவை குறித்து பார்வையாளர்களுக்கு விளக்கம் அளிக்க உள்ளார்.

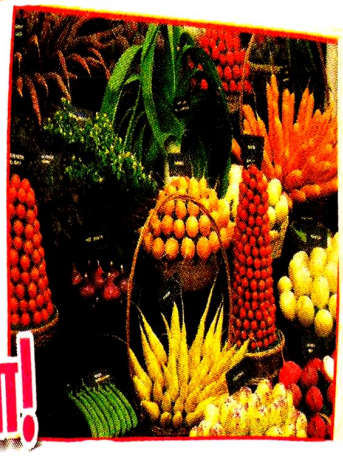
அனுமதி இலவசம்: இந்த கண்காட்சியின் முக்கிய நோக்கம் மருந்தில்லாமல் நம் உடலை பேணிக்காக்க உள்ள இயற்கை வழிமுறைகளை பின்பற்றுவதுதான்.

உடம்புக்குள் என்ன உணவு செல்கிறதோ அதைப் பொறுத்துதான் நம் ஆரோக்கியம் அமையும். நம் உடம்புக்கு ஒரு கோளாறு ஏற்பட்டால் அதை எப்படி சரி செய்து கொள்வது என்பதை நம் உடல் அறியும்.

இதை உணர்த்தும் வகையில் நடைபெறும் கண்காட்சி, கருத்தரங்கில் பார்வையாளர்கள் எந்த வயதினரும் பங்கேற்கலாம். அனுமதி இலவசம் என்றார் ராஜேஷ்.

சிகிச்சை முறைகளுள்





இது ஹீரோ!



★ விபின் சந்த்

''சென்ற வருடத்தில் ஒருநாள் திடீரென ஜுரம். மருத்துவரிடம் சென்றேன். அவர் ஏகப்பட்ட பரிசோதனைகளைச் செய்து மருந்து மாத்திரைகளை எழுதிக் கொடுத்தார். எல்லாம் சாப்பிட்டும் ஜுரம் கட்டுக் குள் வரவில்லை. ஜீரோதெரபி பற்றிக் கேள்விப்பட்டுச் சென்றேன். என்னைப் பார்த்தவுடனேயே விபின் சந்த்ஜி, 'நீ உட் கொள்ளும் மருந்து மாத்திரைகளை உடனே நிறுத்து' என்றார்.

அதற்குள் நான் மேற்கொண்ட பரிசோத னைகளால் எனக்கு 'எலி ஜுரம்' வந்திருக் கிறது என்பதைக் கண்டுகொண்டேன். மருத்துவர்கள் என்னை மருத்துவமனையில் சேர்ந்து விடுமாறு கேட்டுக்கொண்ட போதும், ஜீரோதெரபியைப் பின்பற்றி கடுமையான ஜுரத்திலிருந்து விடுபட் டேன். அப்போது முதல் நானும் என் குடும்பத்தாரும் ஜீரோதெரபி சிகிச்சை யையே மேற்கொள்கிறோம்'' என்கிறார் மதுஸ்ரீ.

''ஒருமுறை விபத்து காரணமாக எனது வலது தோள்பட்டையில் எலும்பு முறிவு ஏற்பட்டது. எக்ஸ்ரே எடுத்து அதை ஊர்ஜிதம் செய்து கொண்ட பின் ஒரு பிரபலமான மருத்துவமனையில் அதற்கு நீண்ட சிகிச்சை எடுத்துக்கொள்ள வேண்டும் எனப் பரிந்துரைத்தனர். ஆனால் ஜீரோதெரபியில் சொல்லிக் கொடுத்த சில எளிய வழிமுறை களைப் பின்பற்றி என் தோள் பட்டையைக் குணமடையச் செய்துகொண்டேன்'' என் கிறார் நவீன்.

''மருந்தே இல்லாத மருத்துவம் என்பது தான் ஜீரோதெரபி'' என்றார் விபின் சந்த். அப்படி என்னதான் இருக்கிறது ஜீரோதெரபி யில் என்று கண்டறிவதற்காக அவரை நாம் சந்தித்தபோது, ''எத்தகைய உடல்நலக் குறைபாடுகள் இருந்தாலும் அது எவ்வளவு கடுமையானதாக இருந்தாலும் மருந்தோ, மாத்திரையோ இல்லாமல் நூறு சதவிகிதம் சரிசெய்துவிட முடியும் என்பதைத்தான் ஜீரோதெரபி மூலம் செய்து காட்டி நிரூபித் துள்ளேன்'' என்கிறார் சர்வநிச்சயமாக!

''நம் உடம்புக்குள் என்ன செல் கிறதோ, அதைப் பொறுத்துதான் நம் ஆரோக்கியம் அமையும். நம் உடம் புக்கு ஒரு உடல்நலக் குறைவு ஏற்பட் டால் அதை எப்படிச் சரிசெய்து கொள்ள வேண்டும் என்பதும் நம் உடலுக்கே தெரியும்! சிகிச்சை என்ற பெயரில் நாம் உடலை அலைக் கழிக்கக்கூடாது. பஞ்சபூதங்களால் ஆக்கப்பட்டது நம் உடல் என்ற கூற்றே தவறானது. நிலம், நீர், நெருப்பு, காற்று என்ற இந்த நான் கினாலும் செய்யப்பட்டதுதான் நம் உடல். இவை அனைத்துமே ஒவ்வொரு மனிதனுக் குள்ளும் ஒரு சரியான விகிதாசாரத்தில் கலந்திருக்கும். அது அவ்வப்பொழுது மாறுபடும்போதுதான் உடலுக்குள் பல் வேறு கோளாறுகள் ஏற்படுகின்றன. என்ன கோளாறு என்பதைக் கண்டறிந்து விட் டாலே போதும், சரிசெய்து விடலாம். ஒருவரது நாக்கைப் பார்த்தே அவருக்கு என்ன குறைபாடு உள் ளது என்பதை ஜீரோ தெரபியில் சொல்லி விடுவோம். இதுவரை ஜீரோதெரபி மேற் கொள்ள வந்த ஆறா யிரம் நபர்களில் ஒரு வரது கையைக் கூட தொட்டுப் பார்க்காம லேயே சிகிச்சை அளித் துள்ளோம்.

உணவே மருந்து, ஆம்... நாம் உட் கொள்ளும் நல்ல **சாத்வீக உணவு வகை** களிலிருந்து நமது **தேகத்துக்கு தேவையான** எனர்ஜியை சுரப்பிகள் **எடுத்து மறைத்து** வைத்துக் கொள்ளும். நமக்கு ஏதாவது கோளாறு ஏற்படும்பொழுது அந்தச் சுரப்பி களிலிருந்து தானாகவே எனர்ஜி தோன்றி கோளாறுகளைச் சரிசெய்துவிடும். ஆனால் நாம் என்ன செய்கிறோம்? வேண்டாத உணவுமுறைகளை மேற்கொள்கிறோம். ஏகப்பட்ட கெமிக்கல்களைச் சாப்பிடு கிறோம் (டேப்லட்டுக்களும் கெமிக்கல் களே!) அதனால் அந்தச் சுரப்பிகள் சரிவர வேலை செய்ய இயலாமல் போய்விடு கின்றன.

மொத்தத்தில் சைவச் சாப்பாட்டைச் சாப் பிட்டு, இயற்கையான உணவு முறைகளைக் கடைப்பிடித்து, மருந்து மாத்திரை உட் கொள்வதை நிறுத்தினாலே போதும் எல் லோரும் ஹீரோதான்'' என்கிறார், அனைத்து நோய்களையும் ஜீரோதெரபியை ஜீரோ பீஸ் வாங்கிக் குணப்படுத்தும் விபின் சந்த். இதில் மேலும் பல புதிய ஆராய்ச்சிகளை மேற்கொள்ளப் போவதால் சிகிச்சை அளிப் பதைத் தற்காலிகமாக நிறுத்தியுள்ளார்.

- நளினி சம்பத்குமார்

சாதாரணமாக, ஏதோ தலைவலி என்றோ வாந்தி என்றோ மருத்துவரிடம் செல்கிறோம். உடனே அவர் மருந்துகளை எழுதிக் கொடுக்கிறார். நாமும் அதை இரண்டு மூன்று நாட்களுக்குச் சாப்பிட்டு விட்டு விட்டு விடுகிறோம். சில உடல்நலக் குறைபாடுகள் எவ்வளவு மாத்திரை மருந்து கள் உட்கொண்டாலும் சரியாக்கப்படாம லேயே போவதும் உண்டு. நோய் ஏன் ஏற்பட்டது என்ற மூலகாரணத்தைக் கண்டறி யாமல் அந்தக் குறைபாட்டுக்கு மட்டும் சிகிச்சை அளிப்பதால்தான் இப்படி நிகழ் கிறது.

MEGA SEMINAR III-24-01-2010



'Zero therapy, the panacea of all ills'

NT Buraau

Chennai, Jan 25: Not hurting the feelings of other human beings is also vegetarianism, according to vipin chand bomb, founder of Zero Therapy Foundation, a service organisation.

He said this at a seminar on 'Food Economy of the Nation' at Jain Dadawadi at Ayanavaram in Chennai yeaterday.

Vipin said people should not force vegeterianism on others. 'Do not force people who run slaughter houses to close them instead the message of non-violence,' he said. He said meet- eating is harmful to human boby because animals release toxic chemicals while they are butchared.

He said, 'The human body gets cured by itself but we end up paying the fee to the doctors'. Disease is a state when the body is not at ease. 'It is not the medicine which cures the body it is the faith in medicine which works,' he added.

Many individuals who had recovered from deadly diseases spoke on the occasion about the benefits of zero therapy.

An exhibition on Vegetarianism and benefits of zero therapy with scientific proof were organised at the venue.



Director General of Incom Tax (investigation) kkTripathi released a book titled Spritual Food authored by Vipin Chand Bomb at a function in Chennai yesterday. The first copy at the book is being received by Principal Chief Engineer, Southern Railways Narayanan.

As part of the seminer, a book titled Spriitual Food written by Vipin Chand Bomb was released by k k Tripathi, Director - General of incom Tax (investigation), on the occasion and the first copy was received by narayanan, Prinicpal chief Engineer, Southerm Railways.

The proceeds from book would fund the rural development projects of Zero Therapy call 25381124 or visit www.zerotherapy.com.

FOOD SHOULD BE MADE A SUBJECT AT SCHOOL LEVEL: ZERO THERAPY FOUNDER

Express News Service
Chennai, January 24

FOOD should be taught as a separate subject at the school level, said Vipin Chand, founder of zero therapy in a talk on food and economy of the nation held here on Sunday.

Explaining the therapy, Chand said that food is the disease and food is health and the solution is also food. Zero therapy refers to a mode of lifestyle that focuses on vegetarianism for the improvement of health. The aim of the seminar was to improve the lifestyle of people with healthier food habits, he said.

During the talk, the book *105 Glimpses Of Diagnosis In Zero Therapy*, authored by Vipin Chand, was released. Its main goal, he said was to change the meaning of food.

He claimed that the word 'non vegetarian' did not exist in dictionaries or in encyclopedias and that Asians used the word without knowing it was wrong.

Vegetarianism, he said, propagates national integration as it means the consumption of non-violent food. He said that vegetarianism should not be force but that people should just follow it without forcing others. There is no point shutting down slaughterhouses forcibly; instead if everyone became vegetarian voluntarily, there would be no demand for meat, fish and flesh, and slaughterhouses will automatically have to shut down.

The New India Express Jan. 25 2010

THE NEW INDIAN EXPRESS City

Chennai Express

READSHAREFOLLOW
newindianexpress.com
Mail us: cityexpresschn@gmail.com

25.6.2018
MONDAY

VEGETARIANISM

A zero therapy diet to heal your body of all diseases



The zero therapy by Vipin Chnadra Bomb (right) recommends a vegetarian diet to strengthen body system ● D Sampathkumar

● **Rochana Mohan**

When Heet Chajed was one-and-a-half years old, hot oil burned his torso. His uncle, Jaswant Chajed, took him to Vipin Chand Bomb, the founder of zero therapy, for treatment. Bomb told him to rub coconut oil on the skin leaving the very delicate parts and requested Heet's mother to change her diet, as she was still breastfeeding him. In two months, Heet was good as new.

"Uncle *ji* said that my sister-in-law drinks a specific brew of tea, made in the zero therapy style, with pomegranate infused in it. This helped clean her body too, so that when she was breastfeeding Heet, he got the right nutrition to help his skin grow," said Jaswant. Heet is now three and has completely recovered from the accident.

The Zero Therapy mode of treatment recommends a vegetarian diet to help strengthen the body's systems, according to Bomb. He started this practice in 2002 and many have adopted it. Stories from his patients lined the walls at the Zero Therapy exhibition held at Konnur Road on Saturday.

"I have a degree in electrical engineering, and I specialised in heat. We treat the body system, in terms of hot and cold. Everyone is born with a ratio of hot and cold which gets corrupted because of wrong food. I try to correct that," shared Bomb. Vegetarianism, according to him, lengthens the human lifespan and helps heal the body by strengthening existing systems rather than introducing artificial medication.

His ninth book, *Vegetarianism for Human Health and Animal Health*, was released yesterday The book is published and funded by the many volunteers at Zero Therapy and is free. The book focuses on how vegetarianism is a peaceful way of living that does not hurt living organisms and enriches human beings both physically and emotionally.

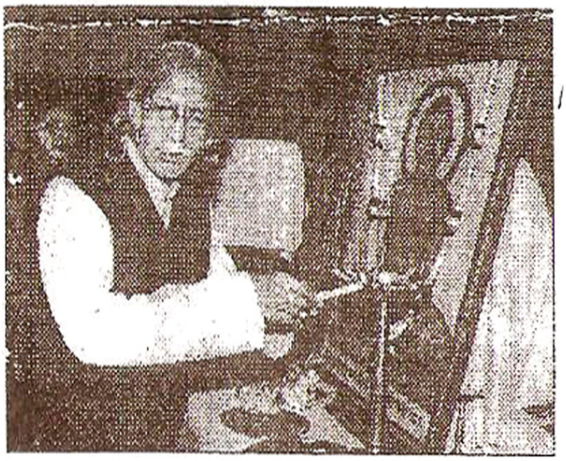
Bomb is against violent ways to stop meat-eating and prefers to be an exemplary model of vegetarianism that others can hope to adopt in the future. To further cement this belief, he began treating others to prove the benefits of vegetarianism. Although he has stopped treating others, he hopes they can carry forward the knowledge he has given them and lead healthier and happier lives.

सर्वथा अविश्वसनीय किन्तु सत्य है 'नो डाक्टर नो मेडिस

चैन्नई निवासी विपीनजी बम्ब चुनौती है

भारतीय जैन संगठन हिंगनघाट शाखा द्वारा आयोजित

हिंगनघाट : सभी प्रकार के डाक्टरों तथा दवाईयों के सवन के लिए। महज दो वर्षोपूर्व साठवे दशक में पहुंच चुके एक सफलतम बिजली सामान के ख्यातनाम व्यापारी ने अपने व्यापार से ध्यान हटाकर सर्वथा रोग दुरूस्ती का नया विचार समूचे विश्व के सामने



चुनौती है। भारत वर्ष के अनेक कोनोंसे दुर्धर रोगग्रस्त अनेक नागरिक उनके सान्निध्य आये और विस्मयजनक रूपसे दावा करते है कि बम्ब साहब जो न दवाईयाँ देते है, न शल्यक्रिया करते है, न ही जांचते है पर नागरिक को भलाचंगा करने का महारत उन्हे प्राप्त है। करते क्या है? वह बीमार से हालचाल पूछते हैं और अपने बताये खान पान में कुछ परिवर्तनों से रूग्ण की बिमारियाँ हटाने में बेहद कामयाब रहे है।

कहा जाता है कि हाथ कंगन को आरसी की जरूरत नही वे अपने ४ दिन की यात्रा में लगभग ११० रूग्णोंको डॉ.रामचंद्रन के साथ आधा दर्जन रूग्णोंने अपने रोगग्रस्तता की कहानी अपनी जुबानी श्राता ओंके सामने हिन्दी, अंग्रेजी मे प्रस्तूत करते हुए आज उनके स्वस्थ होने का सारा श्रेय वे विपीनजी बम्ब को देने में कोई हिच किचाहट महसूस नही करते। जीवन से निराश रोगग्रस्त रूग्ण को आपने आहार, विहार, विचारोसे रोग मुक्त करना उनके झिरो थिरेपी फाऊंडेशन की देन है।

विपीनजी स्थानीय माहेश्वरी पंचायत भवन के खचाखच भरे विशाल सभागृह में अपने अनोखे मिशन के कार्यकलापोपर प्रकाश डालते वैन्नई से हिंगनघाट लाये जिनके रोचक अनुभव स्तंभीत करने वाले है। मेडिकल कालेज मे प्रोफेसर के पद को भूषित करने वाले चैन्नई के समय अब रोगमुक्त जीवन जीने वाले कुछ बीमारों के अपने स्वस्थ होने का समूचा श्रेय मात्र बम्ब साहब को देते है। उनमे चंद्रपुर निवासी उनको बडी सालीजी भी है।

भारतीय जैन संगठन हिंगनघाट शाखा द्वारा आयोजित इस अनोखे कार्यक्रमसे बम्ब साहब के चमत्कृत करने वाले हैरत अंगेज इलाज पध्दती को वे चमत्कार नही मानते न ही इसे दैवी शक्ति मानते है। विपीनजी का कहना यह है कि मेरे पास विगत दो वर्षो में विभीन्न डाक्टरों के यहां चक्कर मारकर निराश जबान को देखकर मैंने उनके दैनंदिन खान पान व्यवस्था में बदलाव के सुझाव दिये और रूग्ण भले चंगे हो गये तो बिना किसी विज्ञापन के बीमारोंका हुजुम लग जाता है उनके निवास स्थान पर। वैसे प्रति सोमवार संध्या समय इस इलाज पध्दतीपर उनके विचार सुनने को अच्छी खासी भीड उमड पडती है चैन्नई में। चुकी यह सोमवार हिंगनघाट में थे वे लेकिन चैन्नई के उनके सभागार में इकठ्ठा रूग्ण हिंगनघाट का उनका विचार सेशन आधुनिक तंत्रज्ञान के माध्यम से वहां सुन सके। उनके अनुसार हिंगनघाट में प्रति सोमवार उनके विचारों का जो लोग लाभ लेना चाहते है उनके लिए शिघ्र ही ऐसी



व्यवस्था चैन्नई हिंगनघाट को नेट के माध्यम से जोडकर स्पिकर पर सुनसके इसके लिए वे इसके लिए वे प्रयासरत है।

उनके अनुसार उन्हे यह महारत प्राप्ती के लिए किसी गुरू या ग्रंथ की आवश्यकता नही पडी यह उनके ही दिमाग की उपज है। उनकी ही खोज है। दुनिया में इस तरह का इलाज और कोई भी नही करता है। उनके इस लोक विलक्षण ज्ञान से लाभान्वित रूग्णों के लगभग ४०० पत्रों का एक अनोखा पुलिंदा मूल पत्रोंके झेराक्स के रूप में किसी को भी देखने मिल सकता है। पूर्व नगराध्यक्ष राजेंद्र डागा के पास उन बेशकिमती पत्रों का संच उपलब्ध है।

उनके माहेश्वरी सभा भवन में प्रबो ८१ प्रश्नोंका एक श्रोताओं को वितर गया। अनेको प्रश्नोंके संगत उत्तर थे उनके सटीक जवाब पाकर समाधान व्यक्त क आया। उनके अनुस सेहत का राज आप है। किसी किस्म की की गोलीयां न खा शाकाहार ही अपान

भारतीय जैन संग के मार्गदर्शन दि.१५ सोमवार को मा. विशेषज्ञ डॉ.श्री. जोबनपुत्रा के प्रमुख में तथा मा.बालरोग डॉ.श्री.राजेंद्रजी म अध्यक्षता मे हिंगन में रखा गया है। महिला अध्यक्ष-: कोठारी, सचिव-र कोठारी, अध्य कोठारी, सचिव-तेज

०००

18 दैनिक भास्कर
नागपुर, गुरुवार 25 जनवरी, 2007

डाक्टर नहीं, दवाई नहीं, फिर भी होता है उपचार

राजेश अग्रवाल, हिंगणघाट (वर्धा).

क्या कोई सोच सकता है कि किसी बीमार को किसी भी पैथी की दवाई, ताबिज, गंडे, स्पर्श चिकित्सा या तथाकथित साधुओं के आशीर्वाद के बगैर भी रोगमुक्त किया जा सकता है? विश्वास करना बहुत मुश्किल है। लेकिन 'जीरो थैरेपी फाऊंडेशन' के अध्यक्ष विपीनचंद्र बम्ब (चेन्नई) पिछले दो वर्षों से यहां यह कमाल दिखा रहे है। आज समूचे विश्व में हर घर में रोगी है और हर दिन उसमें तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। आम आदमी तो अपनी बीमारी का इलाज करवाने की बात सोच भी नहीं सकता। तंत्र-मंत्र से मरीजों को ठीक करने का खोखला दावा करने वाले कई बाबा अपनी दुकानें सजा कर बैठे है। प्रतिदिन नई-नई दुकानें खुल रही है। मरीज अक्सर इनके जाल में फंस जाते है और अपनी बेबसी पर आंसू बहाने के अलावा उनके पास कोई रास्ता नहीं रह जाता। विपीनचंद बम्ब ने कई वर्षों कर चेन्नई में विद्युत उपकरणों का व्यवसाय काफी बड़े पैमाने पर किया। लगभग सभी फिल्म स्टुडिओ में लगनेवाले बल्ब व ट्युब लाइट के वे प्रमुख विक्रेता थे। अब विगत 2 वर्षों से व्यापार से विमुख होकर बगैर औषधि के दुखी मरीजों का रोगमुक्त करने के मिशन में जुटे हुए है। बम्ब मरीजों की जुबान देखते है। शारीरिक हावभाव का अध्ययन करते हैं और उनके खानपान में अपने ढंग से बदलाव करने की न केवल सलाह देते है बल्कि कुछ दूर पैदल चलने की हिदायत देकर उन पर पूरी नजर भी रखते है। परिणाम स्पष्ट है कि हर तरह के मरीज चाहे वे मुश्किल से मुश्किल बीमारी के कारण डाक्टर द्वारा इलाज से इंकार किए जा चुकें हों, उन्हें स्वस्थ करने का न केवल उन्होंने बीड़ा उठाया है बल्कि ऐसे मरीजों को सफलतापूर्वक रोगमुक्त भी किया है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है चेन्नई से भांदक व हिंगणघाट के 110 पूर्व मरीज जो आज स्वस्थ्य जीवनयापन कर रहे हैं। वे सभा में अपने अनुभव भी बताते हैं इसकी जानकारी जब स्थानीय भारतीय जैन संगठन के गौतम कोठारी, चार्टड अकाऊंटट एड्. अनिल कोठारी, तेजमल गांधी, छाया कोठारी, सुनीता कोठारी को मिली तो उन्होंने माहेश्वरी पंचायत भवन में 81 प्रश्नों की प्रश्नावली रख दी जिस पर बम्ब ने प्रकाश डालते हुए आधा दर्जन पूर्व मरीजों के साथ सभा को संबोधित किया। बम्ब ने श्रोताओं के प्रश्नों का सटीक जवाब देकर उनका समाधान किया। सभा में उनकी जादुई करामात देखकर सभी श्रोता स्तब्ध रह गए। बीमारों को अपने ढंग से रोगमुक्त करने की इस कला में माहिर समूचे विश्व में वे एकमात्र व्यक्ति है। चेन्नई में प्रति सोमवार को संध्या के समय वे अपने विषय के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते है। विज्ञापन से दूर रहकर अनेक मरीजों के सैकड़ों पत्रों की फोटो कॉपी का एक पुलिंदा प्रत्यक्ष प्रमाण के रूप में साथ में रखते हैं। किसी समय के अबोल बम्ब आज अपने विषय पर घंटों बातचीत करते नहीं थकते।

जीरो थैरेपी फाउंडेशन का चिकित्सा में कमाल

पत्रिका
बेगलूरु, सोमवार, 25 मई 2009

सात्विक भोजन से जटिल रोगो का इलाज



कार्यालय संवाददाता

बेंगलूरु, 24 मई। 'कुछ ऐसे जिएं कि कभी बीमार ही नहीं पड़ें, यह सोच कोरी कल्पना नहीं, बल्कि हकीकत है।' यह विचार 'जीरो थेरेपी' के अविष्कारक विपिन चंद बंब ने रविवार को जैन बंधु मंडल की ओर से डेगनल रोड स्थित संभवनाथ जैन भवन में आयोजित जीरो थेरेपी सेमीनार में प्रकट किए। बंब ने कहा कि रोग मुक्ति के लिए दवाइयों की जरूरत नहीं, बल्कि भोजन में सुधार की जरूरत है। यदि हमें प्राकृतिक भोजन तथा खाने-पीने की वस्तुओं में रोग कॉम्बिनेशन से बचना है तो इसके लिए हमे भारतीय जीवन शैली को फिर से अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि शुद्ध सात्विक भोजन खाओगे तो जिंदगी में कभी दवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। जमीन में कुदरती दवाएं मौजूद हैं, फिर बाहरी दवाइयां लेने जरूरत कहां है। गलत खाओगे तो शरीर तो बिगड़ेगा ही, मन भी बिगड जाएगा। सेमीनार पर बडी सख्या में लोग उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत, बेंगलूर, सोमवार 25 मई 2009



जीरो थेरपी शिविर : रविवार को बेंगलूर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर परिसर में श्री जैन बंधु मंडल द्वारा आयोजित जीरो थेरपी शिविर में इस विशेष थेरपी के बारे में बोलते हुए विशेषज्ञ विपिन चन्द (दाएं) तथा उनकी बातों को गौर से सुनते हुए शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागी। विपिन चन्द ने बताया कि किसी भी बीमारी का इलाज सही वक्त पर सही मात्रा में भोजन करने से अपने-आप हो सकता है। इसके लिए किसी दवा आदि की जरूरत ही नहीं होती है क्योंकि शरीर में वह सारे तत्व मौजूद होते हैं जो बीमारियों को दूर भगाने के लिए जरूरी हैं।

21/7/2007
Hitwada

VidarbhaLINE 7

'Zero Therapy curing ailments without medicines'

- Vipin Bamb delivered lecture on the therapy which mainly deals with balanced diet, strictly vegetarian
- The patients needs to attend four sessions at Chennai to know more about the therapy
- The lecture was conducted by Bhartiya Jain Sanghatana

Our Correspondent
HINGANGHAT, Jan 20

ZERO Therapy is not a method of treatment. The therapy deals with diet of a person that suits his body structure. For perfect diagnosis, a patient needs to attend four sessions of the therapy in Chennai. After analysis, one can be advised Zero Therapy. It is free and the diet suggested is strictly vegetarian, informed Vipin Bamb.

He was delivering a lecture at Maheshwari Bhavan here the other day. Bhartiya Jain Sanghatana conducted the lecture under 'No Doctor, No Medicine' concept. Bamb was on his three-day tour here. Dr Rajendra Maroti and Dr Dilip Jobanputra were the guests of honour.

Gautam Kothari of Jain Sanghatana, Chhaya Kothari were prominently present on the dais.

The busy mechanical life has been adversely affecting people's health. With physical illness, medicines are the only way out for them. One can hardly think of a life without medicines.

Doctors prescribe heavy doses drugs. Tests for every ailment have become a regular feature. This charge heavy fees which is not affordable for all.

To get rid of it, Vipin Bamb, an Electrical Engineer, accepted the challenge and carried out a novel research of the therapy which needs no medical tests and heavy doses of medicines. Over hundred people from Chennai, who were benefitted with Zero Therapy attended the lecture.

Sanjay Mehta introduced the guest. Prof Dr Radhakrishna, Chennai Medical College, cited his experience and extended his supported to the therapy.

Umesh Katariya conducted the proceedings of the programme. Prasanna Vaidya, local industrialist, raised queries over the therapy which was satisfactorily answered.

Those interested in getting more information about Zero Therapy can contact Bharitya Jain Sanghatana office.

The lecture was attended by large number of people.

Vipin Bamb's lecture today

Our Correspondent
HINGANGHAT, Jan 14

LOCAL unit of the Bharatiya Jain Sanghatana has organised a lecture by Vipin Bamb, social activist and pioneer of Zero Therapy Foundation Institute from Chennai, at Maheshwari Bhavan here on January 15.

Noted eye specialist Dr Dilip Jobanputra will preside over the function. Paediatrician Dr Rajendra Marethi will be the chief guest. Vipin who has conducted research in his institute on 'No doctor, no medicine' concept, will guide the people in his lecture on way to leading healthy life.

Meanwhile, Gautam Kothari, Tejmal Gandhi, Chhaya Kothari and Sunita Kothari of the association have urged the people to benefit from the proposed programme in large numbers.

खानपान की चिकित्सा है 'जीरो थेरेपी'
विपिन बंब का प्रतिपादन

हिंगनघाट. सं. जीरो थेरेपी कोई स्वास्थ्य उपचार की पद्धति नहीं है. केवल आने वाले इन्सान के शारीरिक स्ट्रक्चर को देखकर उस इंसान के शरीर को आवश्यक खानपान की चिकित्सा है. खानपान के संतुलित आहार तथा उस इंसान के शरीर को लगने वाले आहार की प्रक्रिया से इस थेरेपी द्वारा उपचार होता है. यह चिकित्सा निशुल्क, शाकाहारी व लाभकारी है. यह प्रतिपादन चेन्नई के जीरो थेरेपी के जनक विपिन बंब ने माहेश्वरी भवन में आयोजित कार्यक्रम में किया. भारतीय जैन संगठन की स्थानीय शाखा द्वारा 'नो डाक्टर नो मेडिसिन' के तहत यह कार्यक्रम रखा गया था. उन्होंने कहा कि भागदौड़भरी जिंदगी में इसान सैकड़ों बीमारियों से घिर गया है. व्यक्ति की जिंदगी दवाइयों पर निर्भर हो चुकी है. ऐसी स्थिति में बिना डाक्टरी इलाज के जीवन जीना चुनौती बन गया है. चेन्नई के इलेक्ट्रिक इंजीनियर बंब ने व्यवसाय के साथ उपचार की नई तकनीक विकसित की है. कार्यक्रम में जीरो थेरेपी के महत्व को प्रतिपादित किया. डा. राजेंद्र मरोठी, डा. दिलीप जोबनपुत्र प्रमुख अतिथि थे. जैन संगठन के गौतम कोठारी, श्रीमती छाया कोठारी उपस्थित थे. उमेश कटारिया ने संचालन किया.



"कुछ ऐसे जीएं कि बीमार ही न पड़ें। यह सोच कोरी कल्पना नहीं वास्तविक है। लेकिन इसके लिए हमें दो बातों को अपने जीवन में उतारना होगा। प्रथम प्राकृतिक भोजन तथा खाने-पीने की वस्तुओं में रोंग कंबिनेशन से बचना। और ये दोनों तभी संभव है जब हम भारतीय जीवन-शैली को फिर से अपना लें। क्योंकि हमारी परम्पराएं वैज्ञानिकता की कसौटी पर खरी-खरी है।"

थेरेपी 'डायनिंग टेबल' रोगों का जनक

जीरो थेरेपी के आविष्कारक विपीनचंद जी प्रत्येक सोमवार को सायं 8 से 9 बजे तक राजस्थानी असोसिएशन तमिलनाडु (एन एस सी बोस रोड स्थित धनलक्ष्मी कॉम्पलेक्स) के कार्यालय में जीरो थेरेपी से उपचार करवाने वाले मरीजों को बुलाते हैं। वहां जीवन जीने की कला और उसमें आई खामियों पर खुलकर चर्चा करते है।

बड़े ही सीधे परंतु अजीब-अजीब सवाल पूछे जाते हैं। विपीनचंदजी के मस्तिष्क पर शिकन भी नहीं और बड़ा ही सटीक एवं विज्ञान की कसौटी पर कसा हुआ उत्तर हाजिर होता है।

खान-पान में बदलाव या यूं कहें कि 'रोंग कम्बिनेशन ऑफ फूड' से हटकर खाद्य पदार्थों के सही मिश्रण की जानकारी देकर वे दुनिया के हर रोग का इलाज करते हैं। और फीस जानकार आप चौंक जाएंगे। अगर किसी ने गलती से भी उपहार भेंट कर दिया या सम्मान स्वरुप अंगवस्त्र प्रदान कर दिया तो भी वे उसे ही लौटा देते हैं और कहते हैं कि जिस विद्या को हमें प्रकृति ने उपहार स्वरुप दिया है उसकी कीमत किसी भी रुप में मैं नहीं ले सकता।

दुनिया के लगभग सभी रोगों की उत्पत्ति 'डायनिंग टेबल' से है। आजकल डायनिंग टेबल पर जो परोसा जाता है उसमें स्वाद के अलावा और कुछ भी नहीं देखा जाता परंतु सच इसके विपरीत है। खान-पान में सर्वप्रथम खाद्य वस्तुओं के मिश्रण को समझना सबसे जरूरी है।

किस खाद्य वस्तु के साथ क्या मिलाया जाय और किस मौसम में मिलाया जाय यह एक बहुत बड़ा विज्ञान है जिसकी पूरी समझ वैदिक भारत में थी। यही कारण है कि भारत के जितने भी पारंपरिक पकवान, मिठाइयां और नमकीन हैं वे सभी खाद्य विज्ञान की कसौटी पर कसे हुए हैं और फिर किस मौसम में क्या खाया जाय इसकी परंपरागत जानकारी हमें पीढ़ी-दर-पीढ़ी मिलती आ रही है। जैसे शरद ऋतु में दाल बाटी व चूरमा, गेहूं की लापसी और बादाम का हलवा राजस्थान में प्रसिद्ध है तो बिहार में चने के भूने हुए आंटे से बनी हुआ लिट्टी और बैंगन का चोखा।

लेकिन आज के बाजारवाद में सबकुछ सब मौसम में उपलब्ध करा कर हमारी वैज्ञानिक खान-पान परंपरा की कमर तोड़ दी है। आज की युवा पीढ़ी फास्ट फूड और बेमौसम की सब्जी खाने की लत से ग्रसित हो चुकी है।

यही कारण है कि बीमार पड़ना शरीर का स्वभाव बन गया है। इसे हम जबतक समझ नहीं पाएंगे तबतक हमें डॉक्टरों का चक्कर लगाते ही रहना पड़ेगा।

Zero Therapy Life Style



Zero Therapy is the science of harmony of changing the individual cells of each family member and there by the side-effect takes care of the disease with food as a catalyst. Its food biochemistry and thought chemistry, which are complementary to each other. This is Ultimate Therapy, not Alternative Therapy. It works on the principle of balancing individual hormone, which varies from person to person. Ultimate Therapy is the name given to it, since no external material goes into the body. Food is not prescribed for individual organ - it is for individual body. The combination and balance of the normal food energizes the body cells and takes care of the disturbances. In stem cell therapy cells are taken out and used when required. The same cells are energized without removing it from the body in Zero therapy thus harmonizing mind, body and soul.

The first book of Vipin Chand Bomb "105 Glimpses of successful diagnosis in Zero Therapy" was released by then Chief Electoral Officer Shri Naresh Gupta in February 2009. The second book "Spiritual Food" was released in January 2010 by Shri K.K Tripathy, the then Director General of Income Tax. The third book "Quotes of Vipin Chand Bomb" is being released during the exhibition by Principal Food Secretary Shri Swaran Singh. This is probably the only book in the world of Quotes by a single person made in seconds over cup of teas.

Vipin Chand Bomb is the founder of Zero Therapy. He is an entrepreneur and runs his bisuness in heat and heat related products for his living. He has been conducting sessions on all Mondays at a fixed time of 8.05 pm for the past 6 years without a single break, individually, single handedly, which is sort of a record for an individual. He was awarded the title "Vishwa Keerthi Sri Sama Udana Lokathachari" by the Maha Agam of Sri Lanka along with university chancellors and ministry representatives. He was awarded "For the Sake of Honour" award by the Rotary club of Madras North, India. He has converted over 1000 meat eaters, egg eaters into vegetarian way of life.

As seen in its website, other unique side effects of this therapy are increase of weight with reduction in waist which according to Vipin Chand Bomb is the secret of long life. Reason behind this is that the bone density increases. An interesting fact is that for all Zero Therapy followers, the intake of Ghee has trippled in their lives, nevertheless, the waist never increases (waist is a store house of waste). The correct way to use Ghee is also explained in the exhibition.

Vipin Chand Bomb's advice is "Live like herbivorous animals, don't behave like animals". Zero Therapy Life Style is based on purely type of food. A new meaning of food is formulated and proven in the exhibition which according to the organizers should change the meaning of food in the encyclopedia and dictionary in the coming years.

The public can meet Zero Therapy followers who enjoy an entirely different life where they don't waste time even in brushing the teeth, yet they don't have to go to dentist, they don't have necessity to go to doctor (thus save time), they don't need the test report (again saving time). The reason is that they know working of their body. Most of the Zero Therapy followers pass toilet (stools) minimum twice or thrice daily (resulting in no bulge on the belly). It is their experience that people following Zero Therapy Life Style are faring better at studies and sports level at school. The expenses for doctors and medicines is Zero.

More details are on the websites www.zerotherapy.com and www.vipinchand.com The exhibition is on 1st January 2011, between 11 am to 5 pm, at Dadawadi', 370 Konnur High Road, Near Ayanavaram Bus depot), Chennai – 600012. Tel 26746293. No Entry Fee.

The side effect of zero therapy lifestyle – the economy of the nation is bound to improve undoubtedly. Not an optimistic view – a fact – unbelievable.

मेट्रो पत्रिका

चेन्नई में रविवार को होटल ली मेरेडियन में हुए एक समारोह में कविपेरअरसु वैरमुतु की एक हजार गानों की करुणानिधि।

स्कूलों में मिले जीरो थेरेपी का ज्ञान

विपिन चंद बम्ब की अभिलाषा

कार्यालय संवाददाता @ चेन्नई

जीरो थेरेपी के संस्थापक विपिन चंद बम्ब की मानें तो खाने की आदतों में बदलाव कर स्वस्थ जीवन प्राप्त किया जा सकता है।

जीरो थेरेपी के प्रति जागरूकता लाने के लिए स्कूल स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।

यहां अपनी एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर राजस्थान पत्रिका से बात करते हुए विपिन चंद बम्ब ने कहा कि जीरो थेरेपी खाने-पीने की आदतों पर आधारित है क्योंकि हम जो खाते हैं वही हमारे स्वस्थ अथवा अस्वस्थ होने का कारण बनता है। यदि बचपन से ही बच्चों को जीरो थेरेपी जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए तो आगे चलकर उनका स्वास्थ्य बेहतर ही बनेगा। हालांकि इस संदर्भ में जीरो थेरेपी की ओर से प्रयास शुरू नहीं किए गए हैं।

इस अवसर पर प्रधान खाद्य, सहकारी एवं उपभोक्ता सचिव स्वरण सिंह ने कोट्स ऑफ विपिन चंद बम्ब नामक पुस्तक का विमोचन किया जिसकी पहली प्रति समाज सेवी शोभाकांत दास ने प्राप्त की।

उल्लेखनीय है कि जीरो थेरेपी को एक जीवनशैली बताने वाले विपिन चंद बम्ब अपने पास इलाज के लिए आने वाले लोगों को हर उस वस्तु का सेवन न करने की सलाह देते हैं जिसे देशी और विदेशी चिकित्सा विज्ञान में दवा की संज्ञा दी गई हो। जीरो थेरेपी में टूथपेस्ट, साबुन, शैंपू, पर्फ्यूम आदि का उपयोग भी वर्जित है।

राजस्थान पत्रिका
चेन्नई, शुक्रवार, 29 जनवरी 2010

दूसरों की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं

चेन्नई, 28 जनवरी। यहा आयनावरम स्थित जैन दादावाड़ी में हाल ही फूड एण्ड द इकोनॉमी ऑफ नेशन विषयक संगोष्ठी हुई।

संगोष्ठी में विपिनचन्द बम्ब ने शाकाहार के कई दृष्टिकोणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दूसरों की भावनाओं को ठेस न पहुंचाना भी शाकाहार है। कत्लखानों को बंद करने के लिए प्रतिबंध उतना जरूरी नहीं जितना यह समझना कि कत्ल होने वाले जानवर बहुत से विषैले पदार्थ वायुमंडल में छोड़ते हैं, जो मानव शरीर के लिए अत्यन्त हानिकारक हैं। उन्होंने कहा कि शाकाहारी शरीर स्वतः ही ठीक होने की क्षमता रखता है। इस दौरान उन्होंने जीरो थैरेपी पर प्रकाश डाला। सेमिनार में आयकर विभाग के महानिदेशक के के त्रिपाठी ने विपिनचन्द बम्ब द्वारा लिखित पुस्तक स्पिरिच्युअल फूड पुस्तक का विमोचन किया। विमोचन के बाद पहली पुस्तक दक्षिण रेलवे के मुख्य अभियन्ता नारायण को भेंट की।

जीभ देखकर बीमारी बताते हैं बंब

जीरो थैरेपी मे बिना दवा के इलाज आज जीरो थैरेपी पर सेमिनार

हमारे प्रतिनिधि

रायपुर चेन्नई निवासी व्यवसायी विपिनचद्र बब जीभ देखकर लोगो की बीमारी बताने के साथ ही जीवन शैली को ठीक कर बीमारी का इलाज करते हैं अलबत्ता किसी भी तरह की दवा नही देते जीरो थैरेपी के नाम से इलाज की यह पद्धति काफी लोकप्रिय हो रही है

चेन्नईमे श्री बब के साथ जुड़े लोगो ने जीरो थैरेपी फाउंडेशन बना लिया है जो सस्था के अध्यक्ष श्री बब के साथ ह साल देश के किसी भी इलाके में भ्रमण के लिए निकलता है इस बार यह समूह राजधानी पहुचा है श्री विनय मित्र मडल के सचिव महावीर मालू ने आज पत्रकार वार्ता में बताया कि कुल 17 जनवरी को एमजी रोड स्थित दादाबाडी में जीरो थैरेपी पर सेमिनार आयोजित किया गया है जिसमे श्री बब इस थैरेपी के बारे मे जानकारी देगे श्री बब ने बताया कि सन् 2004 से शौकिया तौर पर और मूड होने पर ही इलाज करते है और अब तक जीरो थैरेपी से करीब चार हजार लोगों को लाभ हुआ है उनका मानना है कि आदमी ब्लफ कर सकता है पर जीभ नहीं बीमारियो के साथ ही जीभ का रग भी बदलता है जीभ को देखकर खान-पान के साथ दिनचर्या को ठीक करने की सलाह देते है और उसी से लागों की बीमारी ठीक हो जाती है इसके साथ ही शरीर के हावभाव मे भी लोगों की बीमारी का पता चलता है सभी बीमारिया गर्मी और ठड के कारण होती है उसी के अनुसार शरीर का तापमान भी कम-ज्यादा होता है वे लोगो को कहते है कि अपने शरीर को ठीक रखें उन्हें कोई बीमारी नहीं होगी शरीर का सचालन दिमाग करता है इसलिए सोच के अनुसार ही बीमारी घटेगी या बढेगी शरीर में पहले से ही कई तरह के केमिकल है ऐसे मे दवा के रूप में और केमिकल को लेना शरीर को नापसद है उन्होने कहा कि वे योग के विरोधी नहीं है पर योग सभी के लिए फायदेमद भी नहीं है सभी लोगो का शरीर योग के लिए फिट नहीं होता इसे गभीरता से समझा जाना चाहिए उन्होने सदा निरोगी रहने के लिए सात्विक भाजन पर जोर दिया उन्होने बतौर उदाहरण कहा कि यदि गर्भवती महिला नो माह तक विभिन्न तरह की दवाइया खाती है तो उन दवाओ के दुष्प्रभाव से बच्चे के बीमार होने की आशका तो रहेगी मेडिकल साइंस मे दवाइयो के दुष्प्रभाव का पहले से ही उल्लेख है

TESTIMONIALS

---------- Forwarded message ----------

From : **kavita Oswal** <kavitaoswal13@gmail.com>
Date : Mon, May 29, 2017 at 7:35 PM
Subject : Fwd: Find The Attachement
To : vipinchandbomb@gmail.com

From : Leela Laher Agencies <leelalaheragencies@gmail.com>
Date : Sun, 28 May 2017 at 1:45 PM
Subject : Find The Attachement
To : <kavitaoswal13@gmail.com>

Jai Prakati

I 'am blessed to be the part of zero therapy kutumb and thankful to uncleji the founder of zero therapy for giving me a new life.

I'am following zero therapy from past 10 years and have many times experienced uncleji's diagnosing power.

Now I'am going to share my experience with zero therapy.

Experience 1

After 6 months of my marriage in 2010 gadag, I was conceived. As I am a follower of zero therapy and was very much aware of zero therapy baby I did not take any kind of iron and calcium tablets, I followed the do's and don'ts of zero therapy and I was perfectly alright.

In my fifth month of pregnancy, due to some complications doctor advised me to take bed rest and some medicines. So due to my family pressure I took best rest but dint't take any medicines.

In my seventh month I came to Chennai at my mom's place. I visited uncleji once again, he diagnosed me and said I will not get any labor pain since I was at best rest. As uncleji told I dint get any labor pain and I was forced for cesarean. After my delivery due to over dose of medicine I wasn't able to eat anything and had continuous vomiting and head ache. I couldn't even feed my child due o cut in my nipples.

Finally I took medicine to stop vomiting and head ache which reacted and I got fits in the mid night. Next day I went for an MRI, which showed a blood clot.

I lost my memory, I wasn't able to speak, couldn't recognize my body and right side of my body was paralyzed. In short according to medical world I got THROMBOSIS problem.

Then My family took me to Dr. Deepak. After 7 days doctor asked to go for brain surgery. Suddenly in my sub conscious mind I realized that uncleji once told in a session that injections affects the body a lot and I started fighting with the doctors using my hands and legs as I was not able to speak.

My family also had knowledge about this as I often used to talk about uncleji and his therapy and also my sisiter-in=law is following zero therapy , so my family understood my strong belief and took me out from the hospital

Finally my brother and my husband went to uncleji and requested him to see me again. I was treated for my shock by uncleji and I was almost recovered within 25days. Without meeting uncleji and without money and [it was real miracle which cannot be done by anyone else even with lakhs and crores. I am thankful to uncleji not only for treatment but for personal intention for him on me to get cured.]

Experience 2 – My second Pregnancy

After 3 years, I conceived my second child for that doctor asked me to take injection from the month of 5 and I don't want to do so as uncleji assured e that injections are not necessary for my delivery but the doctors were not ready to proceed for the further treatment without injections. Finally we explained the treatment which we are following and the delivery was at our own risk then the doctor accepted for the treatment. At last I delivered my second child successfully without any complications.

Experience 3

Afetr my delivery of second child according to uncleji treatment she was very healthy but she had some allergy on her face and on her ears. When I went to uncleji regarding this issue he said there is nothing to worry., days passed on but ther was no change. Doctor suggested me a cream to be applied for the child but the problem has not cured permanently, finally I took her to uncleji, he gave me the treatment to be followed.

I followed accordingly and within 6 months the problem was cured permanently

Life took turn for me. I lost my memory lost my eyesight, my right hand and leg was paralyzed. I could not speak nor understood anything, it was impossible for me to come back and lead a happy life, only the zero therapy made my life again. Now not only me but my family too leading a healthy zero therapy life style.

Today's life

Doctor----------Money----------Scans--------Reports----------Tests------Medicines--------Checkups—----Doctor

Zero Therapy Life

Uncle----------Treatment----------Happy zero therapy Life style.

Uncleji Is the one and only solution for all human problems whatever it is. My whole hearted thanks to uncleji. You are the biggest gift for me in my life. You made my life again. You have given me rebirth. I am Thankful to you until end of my life.

If Anyone wants to know more about it we are ready for giving interviews.

Kavita A Jain

9035556696/04426690577.

My medical reports on the following two pages.

From : Shankarlal Jangid
Subject : Regained Vision

Regained Vision

I would like to share my experience with Zero Theraphy, as below :

About 1 1/4 years back, all of sudden, I could not see anything properly. When I consulted an Eye surgeon at sowcarpet, he examined my eyes and informed I might not regain my vision but however, recommeded my case to another familier Eye surgeon at Vadapalani, who had, after examining my eyes, 2 pillows beneath my neck while sleeping and if no improvement is observed, he would give Laser Treatment. As there was no improvement for more than a fortnight, he gave laser Treatment. Even after this, I could not see anything properly and when consulted the above surgeon, he had informed it would take 3 to 4 months for imprevement in my vision but there was no improvement at all.

Meanwhile, I heard about the Zero Theraphy offered by Shri. Vipinji, respectfully known and called as uncleji.

When I appreached the Zero Theraphy Centre, I was advised to attend at least four seminars conducted by Zero Theraphy Centre every week, which will give a picture about the Zero Theraphy.

Accordingly, I had attended four sessions conducted by Zero Theraphy Centre and afterwards uncleji began offering treadtment.

What a Surprise

Within a fortnight of commencement of treatment by uncleji. I observed very good improvement in my vision.

Really and Honestly I would like to say, I find no suitable word to express my joy. Under the treatment offered by uncleji under Zero Theraphy, I regined my vision and now I am absolutely alright.

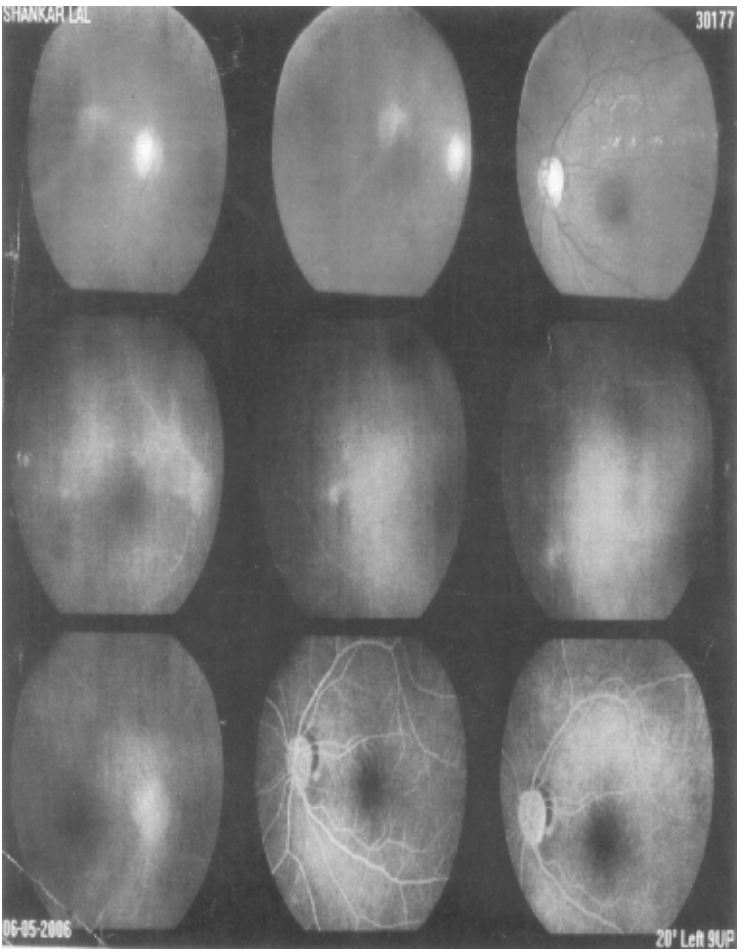
At the first instance, when I lost my vision and abandoned by the Eye surgeons, I flet, 'I am Dead" as most improtant orgain eyes could not function properly and without vision, i cannot survive.

But God came to my rescue through

Uncleji of Zero Theraphy Centre, who regained my vision. No doubt, without the mercy at uncleji, I would have not survived and thus uncleji is god to my family.



J. Shankarlal Jangid
106, Govindappa Naicken Street,
Chennai - 600 001.



VIVA VITA DIAGNOSTIC SYSTEMS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 - 2008 Certified Organization)

1.5 Tesla High Definition MRI, Spiral CT, Ultra Sound and Colour Doppler

NAME: MRS. KAVITHA AGE/SEX: 26/F DATE: 17.06.2011

CT – BRAIN

Serial axial CT sections of brain employing 5mm slice thickness in infratentorial region and 10mm slice thickness in Supratentorial region.

THE STUDY REVEALS

Hyperdense hemorrhagic infarct seen in left temporoparietal cortex, subcortical and deep white matter with surrounding perilesional edema. It causes mass effect with effacement of ipsilateral lateral ventricle and midline shift of 12 mm to the right.

Rest of the brain parenchyma appears normal.

Both orbits and cerebellum appear normal.

Sellar, suprasellar and parasellar regions appear normal.

No evidence of abnormal enhancement is seen.

Visualized portions of the paranasal sinuses and mastoid air cells appear normal.

Bony skull vault and soft tissues appear normal.

IMPRESSION:

- Hemorrhagic infarct in left temporoparietal cortex, subcortical and deep white matter with surrounding perilesional edema and mass effect with midline shift.

Compare to the previous study dated 10/06/2011, increase in size of hemorrhagic infarct and the mass effect.

Suggested clinical correlation

Dr. P. VIMAL NATH, MBBS, D.M.R.D.DNB
(CONSULTANT RADIOLOGIST)
Mobile 9884884425

#51, Montieth Road, Egmore, Chennai 600 008. ☎ 28553589, 28553632, 28420461, 9840815890

SELVI SCANS

WHOLE BODY COLOUR DOPPLER & ECHO & USG CENTRE
SPECIALITY LAB & X-RAY CENTRE

MYLAPORE - NUNGAMBAKKAM - TRIPLICANE

PORTABLE

DOCTOR NAME :	DR. D. A	DATE :	3/6/11
PATIENT NAME :	MRS. Savitha	AGE :	28/F

FEMALE - ABDOMEN

REALTIME B MODE ULTRASONOGRAM OF ABDOMEN

Liver : Normal in size and normal echo texture. No mass lesion.
portal vein and common bile duct normal calculus speck noted in right lobe of liver

Gallbladder : Normal. No calculi or wall thickening.
No e/o pericholecystic fluid collection.

Pancreas : Head, body and tail normal
Spleen : Normal in size

Right kidney : 9.3 x 3.7 cms
Left kidney : 9.9 x 4.4 cms

Both kidneys are normal in size and echotexture. No calculus.
cortico medullary differentiation maintained.

Rif : normal
Lif : normal

Bladder ~~appears~~ normal. Empty
Uterus : x cms
Endometrium : measures _____ mm in size Absent
Myometrium is homogeneous
Right Ovary : x
Left Ovary : x
Cervix : Normal.

Post UCC status

IMPRESSION :

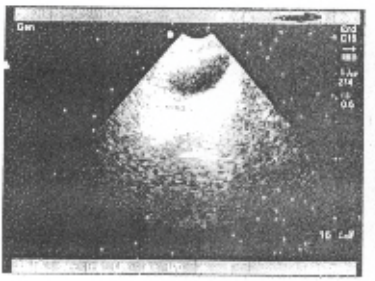
- NORMAL STUDY OF ~~LIVER~~ GALLBLADDER, SPLEEN, PANCREAS, BOTH KIDNEYS, BLADDER, UTERUS AND BOTH OVARIES.

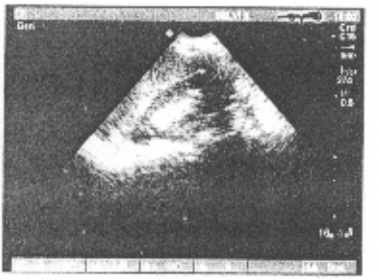
DR. AZAKU TAMIL SELVI
CONSULTANT RADIOLOGIST

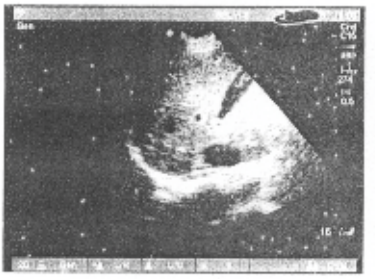
Calculus speck in (R) lobe of liver

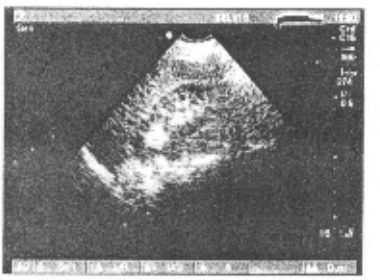
This is a professional opinion only. All diagnosis and should be interpreted in the light of clinical background. If result is not as per medical expectation, this study may be repeated. In doubtful or double diagnosis, necessary follow up advised.

11/5, Alamelumangapuram, (Near Balbaba Temple), Mylapore, Chennai - 600 004.
Phone : 2461 8003, Mobile : 9790961295, 98400 74400
New No. 9, Noor Veeraswamy Street, (Behind Nungambakkam Police Station) (Behind Perumal Koil)
Nungambakkam, Chennai - 600 034. Phone : 044-2825 2299. Mobile : 98415 70104 / 97909 31297









PRECISION DIAGNOSTICS
A MEDALL COMPANY

Patient Name	**: Mrs.Kavitha Ajit**	**Patient Age**	**: 28 Years**
Patient ID	**: KLP36414**	**Gender**	**: Female**
Referral Doctor	**: Dr.J.Aman Kumar**	**Visit Date**	**: 10/06/2011**

CT – Neurocranium

Study protocol:

Axial 5 mm cuts were obtained from the base of the skull to the vertex.

Findings:

- **A hypodense area with areas of hemorrhage within it, is seen in the left temporo-parietal cortex.**
- **The left transverse sinus appears enlarged and hyperdense.**

Rest of the cerebral hemispheres, brainstem and cerebellum demonstrate normal attenuation without focal abnormality.

The basal ganglia, internal capsule, corpus callosum and thalamus appear normal.

The cerebral ventricles are normal sized and symmetrically arranged.

The cisternal spaces appear normal.

The interhemispheric fissure is centered on the midline.

Sella and pituitary are normal. Parasellar structures are unremarkable.

There are no abnormalities in the cerebellopontine angle areas on both sides.

The paranasal sinuses and mastoid air cells in the sections studied are normally developed, clear and pneumatised.

The orbital contents are unremarkable.

There are no abnormalities in the calvarium.

KILPAUK : 191, Poonamallee High Road, Kilpauk, Chennai - 10. (Near Taylors Road Bus Stop) Ph : 4592 7777
VADAPALANI : 60/3, 100 FT Road, Vadapalani, (Former State Election Commission Office), Chennai - 26. Ph : 4393 7777
ADYAR : 48, V.B. Road, Shanthi Nagar, (Near Adyar Bus Depot) Thiruvanmiyur, Chennai - 41. Ph : 4586 7777
MALAR HOSPITAL : 52, 1st Main Road, Gandhinagar, Adyar, Chennai - 600 020, Phone : 4212 7777
VHS HOSPITAL : Rajiv Gandhi Salai, (Near Madhya Kailash), Adyar, Chennai - 600 113. Ph : 2254 1477

SERVICES OFFERED : MRI, CT, USG, DOPPLER, MAMMO, BMD, ECHO, TMT, ECG, X-RAY, LAB AND HEALTH CHECKUP

PRECISION DIAGNOSTICS

A MEDALL COMPANY

Patient Name : **Mrs.Kavitha Ajit** **Patient Age : 28 Years**

Remarks:

- **Hemorrhagic infarct in the left temporo-parietal cortex.**
- **Features suggestive of left transverse sinus thrombosis.**
  – Suggested MR venogram.

Dr.Shakthi Kumar
Consultant Radiologist
+91 9884460492

KILPAUK	:	191, Poonamallee High Road, Kilpauk, Chennai - 10. (Near Taylors Road Bus Stop) Ph : 4567 7777
VADAPALANI	:	58/6, 100 FT Road, Vadapalani, (Former State Election Commission Office), Chennai - 26. Ph : 4563 7777
ADYAR	:	49, M.G. Road, Shanthi Nagar, (Near Adyar Bus Depot Thiruvanmiyur, Chennai - 41. Ph : 4506 7777
MALAR HOSPITAL	:	52, 1st Main Road, Gandhinagar, Adyar, Chennai - 600 020. Phone : 4212 7777
VHS HOSPITAL	:	Rajiv Gandhi Salai, (Near Madhya Kailash) Adyar, Chennai - 600 113. Ph : 2254 1477

SERVICES OFFERED : MRI, CT, USG, DOPPLER, MAMMO, BMD, ECHO, TMT, ECG, X-RAY, LAB AND HEALTH CHECKUP

PRECISION DIAGNOSTICS

A MEDALL COMPANY

Patient Name	**: Mrs.Kavitha Ajit**	**Patient Age**	**: 28 Years**
Patient ID	**: KLP35414**	**Gender**	**: Female**
Referral Doctor	**: Dr.J.Aman Kumar**	**Visit Date**	**: 10/06/2011**

MRI Report – Brain With Venography

Technique:

- **Axial T1 FLAIR, T2 FRFSE, GRE**
- **Sagittal T1 FLAIR**
- **Coronal T2 FRFSE**
- **Axial T2 FLAIR and Diffusion b = 1000 sec/mm²**

Findings:

- **The study reveals a large venous infarct in the left temporo-parietal lobe. It displays predominant isointense signal on T1 and mild hypointense signal on T2 weighted images. Patchy areas of restricted diffusion are seen within. Areas of blooming are seen on GRE indicating hemorrhages.**

- **Mass effect is seen in the form of effacement of regional cortical sulci / gyri, perilesional edema, effacement of left sylvian cistern, compression of occipital horn of left lateral ventricle and mild midline shift of 1.5 mm to the right.**

The posterior fossa shows normal cerebellum. The fourth ventricle shows normal size, shape and position. Both the C.P angles are clear. The orbits and their contents are normal.

The medulla, pons and midbrain show normal signals in both the sequences. Rest of the basal cisterns is normal. The pituitary gland and optic chiasm are normal.

The third and lateral ventricles are otherwise normal in size, shape and position. The thalami, basal ganglia and internal capsules are normal on both sides.

Rest of the cerebral hemispheres show normal intensities of grey and white matter. The extra cerebral spaces are clear.

PRECISION DIAGNOSTICS
A MEDALL COMPANY

Patient Name : **Mrs.Kavitha Ajit** **Patient Age** : **28 Years**

MR – Venography (Brain)

MR venography of brain is done by 2D TOF technique and correlated with axial, sagittal and coronal reconstructed images.

- **No flow signal is seen in the left transverse, sigmoid sinuses and jugular bulb indicating thrombus. The thrombus displays isointense signal on T1 and hypointense signal on T2 weighted images.**

The superior sagittal sinus and straight sinuses are showing normal flow signal.

The right sigmoid, transverse sinuses and jugular bulb are also showing normal flow signal.

Impression:

- **Large hemorrhagic venous infarct in the left temporo-parietal lobe.**
- **Acute venous sinus thrombosis – Left transverse, sigmoid sinuses and jugular bulb (Approximate age of the thrombus – 7 to 72 hours).**

Dr.Rama Krishnan
Consultant Radiologist
+91 9840069764

KILPAUK : 191, Poonamallee High Road, Kilpauk, Chennai - 10. (Near Jayam Road Bus Stop) Ph : 4567 7777
VADAPALANI : 58/5, 100 FT Road, Vadapalani (Behind State Election Commission Office), Chennai - 26. Ph : 4993 7777
ADYAR : 48, M.G. Road, Shasthri Nagar, (Near Adyar Bus Depot) Thiruvanmiyur, Chennai - 41. Ph : 4536 7777
MALAR HOSPITAL : 52, 1st Main Road, Ganchinagar, Adyar, Chennai - 600 020, Phone : 4212 7777
VHS HOSPITAL : Rajiv Gandhi Salai, (Near Madhya Kailash), Adyar, Chennai - 600 113. Ph : 2254 1477

SERVICES OFFERED : MRI, CT, USG, DOPPLER, MAMMO, BMD, ECHO, TMT, ECG, X-RAY, LAB AND HEALTH CHECKUP

PRECISION DIAGNOSTICS
A MEDALL COMPANY

AFTER – RECOVERY – Under – ZERO THERAPY

Patient Name	**: Mrs.Kavitha Ajit**	**Age**	**: 28 Years**
Patient ID	**: KLP85414**	**Gender**	**: Female**
Referral Doctor	**: Self**	**Date**	**: 06/10/2011**

CT – Neurocranium

Clinical details:

Known case of ve[illegible] infarct. Now follow-up.

Study protocol:

Axial 5 mm cuts were obtained from the base of the skull to the vertex.

Findings:

- **Gliosis is seen in the left temporo-parietal lobes. Regional cortical sulci are dilated. Ex-vacuo dilatation of adjacent lateral ventricle is seen.**
- **No abnormal hyperdensity of left transverse sinus is seen.**

Rest of the cerebral hemispheres, brainstem and cerebellum demonstrate normal attenuation without focal abnormality.

The basal ganglia, internal capsule, corpus callosum and thalamus appear normal.

Rest of the cerebral ventricles is normal sized and symmetrically arranged.

The cisternal spaces appear normal.

The interhemispheric fissure is centered on the midline.

Sella and pituitary are normal. Paraseller structures are unremarkable.

There are no abnormalities in the cerebellopontine angle areas on both sides.

KILPAUK : 191, Poonamallee High Road, Kilpauk, Chennai - 10. (Near Taylors Road Bus Stop) Ph : 4592 7777
VADAPALANI : 586, 100 FT Road, Vadapalani. (Opp. to State Election Commission Office), Chennai - 26. Ph : 4993 7777
ADYAR : 78, M.G. Road, Shanthi Nagar, (Near Adyar Bus Depot) Thiruvanmiyur, Chennai - 41. Ph : 4555 7777
MALAR HOSPITAL : 52, 1st Main Road, Gandhi nagar, Adyar, Chennai - 600 020. Phone : 4212 7777
VDS HOSPITAL : Rajiv Gandhi Salai, (Near Madhya Kailash), Adyar, Chennai - 600 113. Ph : 2254 1477

SERVICES OFFERED : MRI, CT, USG, DOPPLER, MAMMO, EMD, ECHO, TMT, ECG, X-RAY, LAB AND HEALTH CHECKUP

PRECISION DIAGNOSTICS
A MEDALL COMPANY

Patient Name : **Mrs.Kavitha Ajit** **Age** : **28 Years**

The paranasal sinuses and mastoid air cells in the sections studied are normally developed, clear and pneumatized.

The orbital contents are unremarkable.

There are no abnormalities in the calvarium.

Remarks:

- **Gliosis in the left temporo-parietal lobes.**
- ✓ *Comparison made with prior CT image plates dated 10.06.2011. Interval complete resolution of the hemorrhage is seen. No other interval new lesion is seen.*

Dr. Rama Krishnan
Consultant Radiologist
+91 9840069764

(After recovery under Zero Therapy)

KILPAUK : 191, Poonamallee High Road, Kilpauk, Chennai - 10. (Nea. Taylors Road Bus Stop) Ph : 4552 7777
VADAPALANI : 586, 100 FT Road, Vadapalani, (Frame. State Film Censor Commission Office), Chennai - 26. Ph : 4806 7777
ADYAR : 48, M.G. Road, Shastri Nagar, (Near Adyar Bus Depot) Thiruvanmiyur, Chennai - 41. Ph : 4598 7777
MALAR HOSPITAL : 52, 1st Main Road, Gandhinagar, Adyar, Chennai - 600 020. Phone : 4212 7777
VBS HOSPITAL : Raja Garden, Salai, (Near Madhya Kailash), Adyar, Chennai - 600 113. Ph : 2254 1477

SERVICES OFFERED : MRI, CT, USG, DOPPLER, MAMMO, BMD, ECHO, TMT, ECG, X-RAY, LAB AND HEALTH CHECKUP

---------- Forwarded message ----------

From : **Punam Jain** <punamkjain@gmail.com>
Date : Wed, Oct 8, 2014 at 1:39 PM
To : <vipinchandbomb@gmail.com><nehaljain18@gmail.com>

Jai Prakrati

Punam.k.jain
Age 30,
No.3, agraharam street,
4th floor, sowcarpet,
Chennai-600 003. 98849 53635

Zero therapy to me is unique, sacred and a vast science which encompasses healing and curing people internally and externally as well taking into account ones medical history, present health condition, geographical location, climate, family background, pschysological make up and many other such important factors. It is a science based on harmonizing system of development for body, mind and soul.

Chronic Cold & Fever:-

It has been 8 years since i am under uncle's treatment. I had approached him for my chronic cold problem which used to recur atleast once in every 20 days since my teens. Due to this i used to get recurrent fever and used to feel extremely weak and extremely low on resistance. I have tried almost all the best ents in town and have taken all possible kinds of treatment including allopathy, ayurveda, homoeopathy, siddha, yoga etc., but there was no marked improvement in my problem. I have taken medicines for days, months and years together but there has been no cure. I have also tried all the possible nasal sprays but none helped. Medicines, sprays, yoga used to work for a while. But in a fort night i am back with my terrible cold, sneezing, running nose, chest congestion fever and what not?

Finally, i decided to resort to zero therapy. I had a prior idea that zero therapy is a treatment to repair the body as a hole and not just a specific problem.

Immediately i started my treatment under uncle. Within just a month i started feeling a difference in my overall health. As a result the frequency of cold and fever declined and today without exaggeration it has been 9 months at a stretch since i have contracted cold for fever with his simple food specifications and precautions. I was feeling completely alright and free of sneezing, cold fever etc.,

Just a special mention again that from a level of getting cold almost every once in fortnight to a level of not getting at once in a period of 9 months also, without a single medicine or yoga is a tremendous improvement which i had never imagined. All my family members were amazed looking at the drastic improvement.

Swelling over knees:

In 2007, i had moved to bombay and there was a gap in following uncle's treatment.

Unfortunately after going there i had got swelling over my knees due to which i used to have lot of pain when i used to walk and there was an imbalance in my legs. Immediately we rushed to our family ortho doctor. After nearly 4 scans he diagnosed the problem as "sinovitis in knees" which usually happens only to older people above the age of 60 or so. I was shocked to have it at this age. He immediately asked me to take complete bed rest at least for a period of 3 months and ;had given me around 12-15 tablets a days including heavy steroids. But there was zero improvement and my health condition started worsening due to heavy dosage of medicines. The steroids used to make me feel extremely drowsy and sapped out off strength. In spite of taking medicines for about 35-40 days, every time i used to walk my legs used to feel heavy and the swelling used to increase and not decrease.

On telling the doctor he increased the dose of medicines and steroids, which i took for another 2 months but my condition was the same with no major improvement.

Finally, i moved back to chennai and approached uncle. He looked at my tongue and said that the problem was quite serious and that would take some time to get cured.

On looking at the tongue he could make out that i had taken steroids and heavy dosage of medicines. Under uncle's treatment i was asked not to take rest and that i can move around and walk as much as i want, completely opposite to what the doctor asked me to do. That was a huge relief factor for me.

It is unbelievable but in just a matter of 12-15 days my legs were feeling lighter and my health was feeling good. Swelling started decreasing gradually and the best part is the swelling did not increase how much ever i walked with just simple instructions and food specifications my swelling faded away and the heaviness and the inbalance in my legs, all vanished.

Without any exercises or medicines i was cured of my swelling and today it has been 1 $\frac{1}{2}$ years i haven't got it back.

Never thought that in just a couple of days i would get cured of such a serious problem which the best orthodoctors told that might take 3 months, 5-6 months a year or even more.... And that there was no assurance whether it would get cured at all. I am immensely grateful to uncle.

Chronic stomach pain

Six years back i had chronic stomach pain, used to vary from the center, to both sides of stomach at intervals. It was extremely severe and unbearable. There was also a burning sensation in my stomach and the pain used to be cramping.

Immediately i rushed to uncle and he diagnosed that empty stomach is causing all the pain that i be eating at least every hour to get read of it.

Initially i could not believe him, but my practicing what he said for about 4-5 days i could notice the change. The frequency of stomach pain declined and after few more days disappeared.

A doctor in any case, would have asked to take a scan, prescribed a list of medicine for the stomach pain and even then his diagnosis would have been inaccurate. Under uncle without any medicine or scan i am free of my stomach pain in just about 5 days.

1st pregnancy

I have been under this therapy for the last eight years and have been treated by vipin uncle for various health ailments, the most important of all being 'my pregnancy'. I therefore would like to furnish my pregnancy related experience solely and solely for the benefit of human society who cannot imagine a life without doctors and medicines. I am sure my experience would change the perception of the many, for whom medicines have become part and parcel of life.

I visited uncle for one of my normal consultations and guess what, he looked at my tongue and said i was "pregnant". It was unbelievable diagnosis from him as i had least expected it. To reaffirm i took up the pregnancy test the same day and it was positive. I was amazed at the accuracy of uncle's diagnosis.

Every woman wants to bring the best to her baby in all respects, so she seriously consumes a list of calcium, iron, folic acid, multi-vitamins which the doctor prescribes for the overall development of the baby. Since i was under zero therapy i chose to avoid taking these tablets and followed healthy eating habits.

I was under one of the leading gynecologist of chennai and as a practice she prescribed me to take the necessary scans and blood tests during the gestation period which as expected were completely normal, inspite of me being devoid of all forms of medication. The growth of my baby was completely normal and was a good ascending graph.

At this point, i would like to bring to the notice of all that the size of my baby was a little big and as i was already post due date, i consulted two alternate leading gynecologist and both insisted me to go in for a 'c' section as according to them the amniotic fluid was quite high and that the baby was growing rapidly which would depreciate the chances of having a normal delivery. But thanks to vipin uncle i decided to wait and successfully delivered a 3.5kg baby normally on 3rd april 2009. If not for zero therapy this would not have been possible. I'm deeply grateful to him

My baby, ditii when born was perfectly healthy and the pediatric check was completely normal. She is five years old now, is extremely active and devoid of all vaccinations and any other form of medications. Restraining our child of vaccinations is the best gift that we as parents could give our

kids, as infusing such powerful chemicals right from the birth not only completely hampers the physical health but also tarnishes the purity of the young soul – the reason for all this being, zero therapy.

I proudly confess that in the last 5 years there has been no particular instance of any kind of sickness in my baby which i am sure in comparison to other babies is truly "remarkable".

Is this unbelievable?? Yes may be for all those who have surrendered themselves to doctors... and certainly not for those who are open to modify their lifestyles a little to bring about a miraculous change to their lives and many others , and enjoy the benefits of good health above all harmony of mind, body and soul.

This therapy is truly magical in every aspect as there is not been a single ailment which the therapy is failed to cure. Everybody has an inherent power to cure itself which we most of the times fail to understand. To get cured under this therapy calls for immense belief in the fact that there is no greater power than one's own body to heal all ailments, openness of mind to abide by food specifications(eating healthy), and your works done...the intensity of the thought to get cured is the essence of therapy.

Zero therapy, in a nutshell, makes the impossible – possible, cures the incurables, and purifies the soul, thereby bringing about an eternal change in the lives of the masses.

Zero therapy is the ultimate healing therapy, above all the existing therapies in the world.

My mom's experience

My mom was suffering from series of disease like ulcers, high bp, thyroid, frequent vomiting, body pain, headache and constipation. Here ulcers were very sever and numerous in number. They use to constantly give a burning sensation and would lead to chronic vomiting and indigestion. We contacted a lot of specialists and doctors and also based on their diagnosis undertook several medical treatments and also underwent endoscopy which was very painful and showed a lot of ulcers in the report.

After taking medication for close to 18 months there was no relief or significant improvement in her health condition.

One major side effect of medicines was, she developed innumerable ulcers inside her stomach, about more than 1000 ulcers which used to burn and bleed at times. We performed a endoscopy for her, which again is a very painful procedure wherein they insert a pipe through your throat into your stomach to have a clear view of the ulcers. The test confirmed that she has over 1000 ulcers in her stomach.

She was on medication for ulcers for a long time, the side effect of which she deveoped hearing impairment. We again visited the top ent of chennai and he said that one of ear drums are slightly damaged and she was again on medication for that.

The more medicines, more the ailments and the more ailments, more the medicines.where is the question of geting better then?????

Finally luck striked and i took her to uncleji. The moment he looked at her tongue he said there is nothing to worry, nothing major.. We were amazed because she has been having numerous problems, and he says there is nothing. His diagnosis is so amazing that he asked mum whether she uses balm and mum said yes, she also added that she cannot do without balm and that she uses easily for about 3-4 times a day or even more, and that was the crux of her problem. There after my mom completely gave up usage of balm or anything else possessing a strong smell like perfumes etc...

She immediately stopped all medications and started zero therapy and started following the list of do's and don't's and made significant changes in the food habbits and started cosnuming only from the list prescribed by him.

She was getting releif from constipation which was the root cause of all problems, and there after one after one automatically her health issues were getting rectified...ulcers were better, no bp and thyroid,ear pain also much better..we could not believe the upward graph in her improvement, was remarkable indeed.

Today mom is feeling absolutely fine.she is free from all forms of medication and treatments and completely under uncleji.she is got her bp and thyroid tested, they are compltely normal,and her ear pain is also almost faded away.

With the food items prescribed by uncle ji she is overall feeling energised and her motion and urine has improved drastically after following zero

therapy for a month. Her ulcers have vanished and also the frequeny of contracting fever, headache and nausea have also become negligible. In all her health feels much much better from before and she is become emotionally more stable after following zero therapy.

The frequency of dizziness due to blood pressure variation also saw a marked improvement from what it was earlier. Her overall health has improved and she feels healthy and better.

In addition to curing all her health ailments, he ear pain and vision got better automatically in the course of following zero therapy.

Itsbeen 8 years since me and my mother have been following this therapy and we don't have words to express as to how grateful we are to uncle ji and his unique therapy.

2nd pregnancy

I was pregnant the 2nd time and needless to say that zero therapy is what i adhered to again.

Contrary to the myth of with the changes in time, one's body also changes. Zero therapy has proved once again to be a boon for me and my family. I simply adhered to "eating right and eating healthy" without any medication and pills for the entire gestation period and once again delivered a healthy baby weighing 3.8kgs on 8th april 2014.

Both my deliveries have been normal and my babies healthy, thanks to the beauty of eating right that i could feel fit and healthy during both my pregnancies.

Post pregnancy:

As in both my pregnancies i have followed zerotherapy post delivery also i did not take any medication apart from the ones given to me in hospital, which was unavoidable.i also did not consume anyof thestuff which marwaris do post delivery like ajwain, saut,pipramol, and other laddus and sweets which are believed for cleansing and strengthening a womans body post delivery. I jus consumed normal food and few sweets which were prescribed to me by uncleji.consuming saut and pipramol and other stuff over decades which have b een followed by marwaris is a myth that is going to best nourishment that new mothers can have.infact they have such strong odour that at times it doesn't even suit

our bodies. Inspite of me being devoid of all those also i am still feeling fit and healthy.a zero therapy body just knows how to bounce back on its own.

Diagonosis in zero theraphy

Diagnosis in zero therapy has been accurate, instant simple and straight forward. The theory of alternatives doesn't apply to zero therapy as when a diagnosis is made it has to be accurate with either 'ors'.

I therefore enlist below the list of diagnosis made, their remedies and cure in certain cases.

In 2007, i had got swelling over my knee. The doctors diagnosed the problem as "sinovitis" of knees and hence advised me bed rest for months and advised me to take steroids as medication. The swelling had a direct relation to my physical activity, the more intensive the activity greater was the swelling and vice versa. Excessive rest and steroids had worsened my health with no traces of improvement.

On my very first visit to uncleji, immediately after looking at my tongue he told that "you have taken steroids". I was totally zapped at the accuracy to hear that and after which he said that bad motion and urine has led my body to the state it was. He started my treatment and i started abiding by the diet he prescribed and started performing by routine physical activity without any medications. Unbelievable but true, within a fortnight there was a drastic change and i was able to do more activity with relatively lesser pain. Not even a month was over i resumed normalcy for a condition which doctors "knew no time frame and a cure". From there on i simply hated to see a doctor and was extremely happy to become a patient of zero therapy.

I have been a chronic victim of sinusitis and allergy to dust, smell etc for the last 15 years. Almost every month i used to suffer with throat ache followed by cold accompanied with excessive sneezing and high fever. At times my condition used to get so worse when i used to bleed from my noose during sneezing. Having these problems on a regular basis, i used to feel extremely weak and sapped out of energy. I visited uncleji for the same and his diagnosis to my problem was simply outstanding and accurate. He asked me if i used to have papaya fruit to which i replied stating "lots of them" as it is my favorite fruit. He told me that eating

excess of papaya was the culprit to my excessive cold and i should refrain from eating food items which causes either

Excessive heat or excessive cold in the body. He asked me to consume foods which are neither "hot" nor "cold" but just neutral. This i felt is a breakthrough remedy, because after modifying my food habits according to uncleji's instructions the frequency of getting cold declined dramatically to a very large extent and i was feeling amazing to have not got it every month as i used to previously which was a tremendous improvement of my state of body. I also wish to mention that i had tried all the possible forms of medication available to mankind like ayurveda, allopathy, homeopathy, siddha, yunnani but all in vain. But with the help of zero therapy, it has given me a new lease of life.

In one of my regular consultation with uncleji, after looking at my tongue – guess what, he told me that i was pregnant. I was totally zapped at his instant diagnosis as i had least expected it. I went back home and took up the home pregnancy test and unbelievably as per uncleji's diagnosis, i was pregnant. This was by far one of the most straight forward, accurate and instant diagnoses by uncleji.

A. Walking difficulty: one fine morning, my daughter suddenly was unable to walk and was very uncomfortable in standing. I was very paranoid looking at this and rushed her to uncleji. He asked me the list of food items my daughter had the previous day. Among the regular items i had given her orange juice which according to his diagnosis was the reason for my daughter not being able to walk properly. He asked me to give her kheer, badam and dal ka seera and by evening she was fine and was playing. He told me that the orange i gave her was not good which led to her pain.

B. Leg pain: Once my mom's legs were paining terribly, uncleji immediately diagnosed the problem and asked her to change her footwear. She was completely fine after doing so and had stopped wearing those footwear.

C. Fever: Once my brother's daughter (5yrs old) had high fever and wasn't even ready to eat anything apart from being aloof from everyone at home. We brought her to uncleji and he assured us that she was not having any medical issues. He told us that the child will be alright if we took her to a play area or by taking her to the beach and also by showing her various vibrant colors and also offering her

food items that she preferred. He also advised us to pamper the kid and make her feel special. These things when put into practice brought Tremendous change in her and she was happy and was much better than earlier. Big thanks to uncleji's quick and straight forward diagnosis

D. Throat pain: Once my throat was paining terribly and i was unable to swallow anything. Uncleji asked me to have "malai and sugar" and within a day i could see a vast improvement was able to eat normally.

E. Smell / odour: Once i was totally down with cold, fever, severe ear pain, head ache and continuous sneezing. Uncleji after looking at my tongue asked me if i was exposed to any strong odour, smell or perfume... i thought for a moment and realized that a day before we had someone at our home spraying pesticide at home because of lot of mosquitoes and cockroaches at our home. This immediate diagnosis was helpful for me to avoid falling sick in such situations going forward.

F. Heel pain and stiffness : About a month back i had this chronic heel pain and stiffness in my fingers and joints.i consulted uncleji and he said theres no major problem , its just there is deprived blood circulation in those areas and the medicines injected during pregnancy may have caused this.once they are flushed out through stool and urine it will automatically get better, alongside he also asked me to do very mild feet excercises to facilitate blood circulation in those areas. Yes indeed by just being Patient and just sticking by what uncle said the body has the power to repair itself on its own. One just needs to believe in this fact.

What matters to the body is what goes inside the body.
What matters to the body is what goes outside the body.

Benefits i reaped out of zero therapy

1. Quick and accurate diagnosis of any ailment, be it physical or physiological or mental quick and instant cure or remedy for it while making sure the problem is rooted out completely and is not a short time solution unlike in the case of taking medicines.
2. Just by simple food combinations and precautions one get cure unlike undergoing scans, x-raysand medicines which makes one feel more sick.
3. Repairs the body as a whole and not just the ailment unlike in the case of any other mode of treatment, where only the problem get treated.

4. In case of any other mode of treatment like allopathy, ayurveda and homeopathy, siddha medicines taken for the treatment of a particular problem might and will surely adversely affect some organ of the body and pay way for a bigger ailment, unlike the case of zero therapy were the body itself is repaired on the whole.
5. In the process of repairing and correcting the body as a whole most of the minor and major problems get automatically corrected without mentioning them to uncle.
6. Medicines, injections, scans, etc have immense side effect on one's body and makes the body weak and can never be a long lasting cure for the body.
7. Under zero therapy one gets cured by normal food items which are readily available and extremely healthy for the body and same one from going thought the exorbitant expenses of medicines scans, etc.
8. It is a multi specialty therapy where all the organs get repaired at one place saving one of having to go to different hospitals and specialty clinics for different organs of the body.
9. In the process of curing the body, the soul of the person also gets purified...the benefit of which cannot be measured as anything connected to the soul has to be felt and cannot be quantified.
10. It's a therapy so pure that actually makes the person following it free from all unhealthy eating habits which not only have harmful effects on the body, but also the mind and soul.

To sum it all:-

Zero therapy is a therapy to treat anything under the sun....
A physical ailment
A physiological problem
A mental problem
A infant problem
To facilitate harmony
For better ment of soul.

Being under this therapy, in short is a blessing and boon by god, it's a therapy for mind, body and soul.

B. மகேஷ்
NO: 64. சிவாஜிநகர்,
லட்சுமிபுரம்,
சென்னை - 600 099.

தீராத முதுகு வலி, கால்வலி, மூட்டுவலி (BACK PAIN) தீர்வான அற்புதம்.

வணக்கம். என் பெயர் B. மகேஷ் வயது 36. நான் மேற்கண்ட முகவரியில் வசித்து வருகின்றேன். நான் தச்சு வேலை செய்கின்றேன். எனக்கு சென்ற ஒரு வருட காலமாக தீராத முதுகு வலி (BACK PAIN) துன்பம் கொடுத்துக் கொண்டிருந்தது. முதலில் முதுகு வலியில் ஆரம்பித்து பின் கால் வலி, மூட்டுவலி என்று மூன்றும் சேர்ந்து என்னை துன்புறுத்தி வந்தன. முதல் நிலையில் உட்கார்ந்து சாப்பிட, நடக்க கூட முடியாமல் மிகவும் கஷ்டப்பட்டுக் கொண்டிருந்தேன். மூன்று/நான்கு மருத்துவமனைகளுக்குச் சென்று காண்பித்தேன். பரிசோதித்து பார்த்தார்கள். எக்ஸ்ரே எடுத்து பார்த்தார்கள். ஸ்கேன் எடுக்கப்பட்டது. அறுவை சிகிச்சை செய்ய வேண்டும் என்றார்கள். சில மருத்துவமனைகளில் ஆபரேஷன் செய்தால் பலன் கிடைத்தால் கிடைக்கலாம் உறுதியாக எதுவும் கூற முடியாது என்று கூறி விட்டார்கள். ஒரு வழி போவதன் மூலம் சிறிது காலம் (இரண்டு/மூன்று மாதங்கள்) வலியை நிறுத்தலாம். ஆனால் வலி மறுபடியும் எப்போது வேண்டுமானாலும் வரலாம். முற்றிலும் நிவாரணம் கிடைக்காது என்று கூறினார்கள். வேறு வழியின்றி ஊருக்கு போய்க் கொண்டேன். வேலைக்கு போக கூடாது. வேறு எதுவும் செய்யக் கூடாது. தரையில் உட்காரக் கூடாது.

Same

என்று பல நிபுணர்களை அணுகியதின் மூலம் நான் விஜயபுரி ஒரு மாதம் படுத்தபடி ஓய்வில் இருந்தேன். வலி நின்றபாடில்லை சொல்ல முடியாத துயரத்தை அனுபவித்தேன்.

இந்நிலையில் நான் இறைவன் அருளால் என் நண்பர் திரு. சுரேஷ் அவர்களைச் சந்தித்தேன். அவர் என்னை அழைத்துச் சென்று டாக்டர் விபின் சந்த் ஐயா அவர்களை சந்திக்க செய்து சிகிச்சை பெறுவதன் மூலம் என்னுடைய மேற்கண்ட நோய்களுக்கு முற்றுப்புள்ளி வைக்க பெரிதும் உதவினார். நான் ஐயா அவர்களிடம் தொடர்ந்து சென்று சிகிச்சைப் பெற்று வந்தேன். மிகவும் அற்புதமான சிகிச்சை முறை, மருந்து கிடையாது, மாத்திரை, ஊசி, அறுவை சிகிச்சை எதுவுமே கிடையாது. என்னால் வீட்டில் இருந்து பஸ், சைக்கிள், ஆட்டோ, ஸ்கூட்டர் இவைகளில் உட்கார்ந்து வந்து இங்கு சிகிச்சை பெற முடியாமல் வலியால் மிகவும் அவதிப்பட்டேன். இருந்தும் பொறுத்துக் கொண்டு ஐயா அவர்களிடம் வந்து சிகிச்சைப் பெற்றேன், ஐயா அவர்களுடைய சிகிச்சை முறையே ஒரு தனி நிறப்பு வாய்ந்தது. ~~உலகின்~~ ஐயா அவர்களின் அறிவுரைபடி செயல்பட்டால் அதுவே உலகில் உண்டாகும் நோய்களை தீர்க்கும் மருந்து. முதலில் அவர் சொல்படி கேட்டு நடந்ததால் வலி குறைந்து இப்போது பழைய நிலைக்கு வந்துள்ளேன். ஒரு அற்புதமான சேவை இது. வேலை செய்கிறேன் (அதே தச்சு வேலை).

எல்லாம்வல்ல இறைவன் அருளால் ஐயா அவர்கள் பல்லாண்டு வாழ்க! வளர்க அவர்களின் தொண்டு!!

B. மகேஷ்.

Hitesh .s. Vajawat
Vajawat Computers,
Sh. No. 16/18 narasingapuram st,
Mount road
Chennai 2.

98411 53605.

Respected uncleji,

Today , if I am able to speak..... its all because of "U".

I am in to computer business & on an average , I attend 400-500 calls per day.

In the year 2006, I slowly started feeling problem in my throat. It used to pain heavily while speaking & as time went.... I gradually lost my voice.. can u imagine .

LIEF Without VOICE. " its really terrible"

I had spent 30 days without speaking.. just keeping a pen & paper to write my expressions / my thoughts....

After taking medicines as prescribed from ENT Specialist Dr. Bhaskar, I didn't get a sing of relief. Then I went to padma shree Awardee Dr. Mohan kameshwaran. After doing the required tests.. I was answered..

"Hitesh.. Forget You can talk for Life..."..

I was really shocked with his immediate reply. I was told that there was an inflammation in my vocal chords &

because of which., there was difficulty in speaking

I had taken the prescribed medicines & after a few days I was able to speak a little bit. I was also under strict voice rest. I was given medicines, because of which I slept more & it gave me an indirect voice rest. After a few weeks of this, the voice disorder started again, this time the pain was too much. I was not able to utter single word.. Only air was reproduced, instead of voice. Our entire family was disturbed because in such young age. .. if your are left out without being to speak... its really a big pain.

We then went to Dr.K.K.Ramalingan (ENT Specialist). It was an amazing answer from their side. they said .. I need to take voice rest.. for quite a few days & apart from that.. I was adviced to get my tonsisls operated. It was very stressful & painful time of my life.

We finally got the contact number of Dr. Sanjay Gandi (India's Leading Vocal Chord Specialist, mangeshkar hospital-pune). I then checked in the internet about him. We then couriered our entire reports of the vocal chord to him & he claimed that the existing treatment was fine but for any further updates.. it was necessarily for me to be there. He was of course right.. how could he treat me by seeing the reports.

Since the problem was increasing, we were trying our level best efforts to show the best doctors..

In between all this .. I was referred to a Doctor from Royapuram by one of my friend.
After the required tests, He prescribed few medicines. My elder brother went for buying the medicines. Luckily, the store owner was a known person. After seeing the

prescription, he asked for whom was the medicines. My brother said, it was for me... After putting pressure on him, the owner said that

"this medicine was generally given to patients with mental disorders. After taking in the patient will feel sleepy & indirectly will give voice rest...."

Between all these fuss going on in my life. I was lucky enough to meet Shree vipin uncle. On my first visit to him, I was clearly told .. please come in a systematic way. He was absolutely right. It was required for me to understand ZERO THERAPY's system.. Rules & Regulations. on my next consecutive visit.. I requested uncleji, to start my treatment. With god's grace... I was lucky enough to get a positive sigh from his side. My treatment was started & I was prescribed the Do's & dont's in the food intake. For the next 7 days.. there wasn't any sigh of relief & my confidence level wasn't high.
I was still having a double mind.. whether should I go to a Doctor for treatment or should I continue the treatment under Zero therapy.

Since the Situation of mine remain unchanged.. I finally booked Tatkal tickets to pune to visit Dr. Sanjay Gandhi who was referred by one of our relative. On the day before starting to pune, I went to show to uncleji as a routine check up. I was under a deep trouble.. Should I go to pune or should I not. I asked myself & wasn't able to decide. I then slowly realized that I was able to speak a little from the last 2 days & the pain was low than compared to the earlier days. I asked my self.. Am I doing a right by going to pune..

My conscious said No.. I Thought.. if I go once for a check up.& I need to forget Vipin uncle cos its not possible to hide

any thing from him.

"He SCANS our body like a COMPUTER. He never requires any sorts of test to check what problem ur having....."

Finally, I became restless. i firmly made a strong decision to cancel the trip to pune. I immediately went to my dad & said him the fact. My dad was lit rally shocked. He asked me more than 5 time.. Am I taking the right decision????

Yes was my answer to him & from then on I haven't seen back side.
I then realized that the more I gained confidence on the treatment, the faster I was able to get cured. After this.. it didn't even take 14 days. I was fine. I was able to speak for the whole day without any obstacles & I never took any kind off voice rest. i cant explain.. What sorts of happiness a men gets when gets his voice back..
The best beauty finally was.. when I went to uncleji to claim that I was able to talk..
"He laughed & said. So what's new in that. U never had a big problem. Now on your are free from all sorts of treatments..."

I was really amazed with his reply. I couldn't imagine.. how could a person be like him.

" He's given me a new life..."

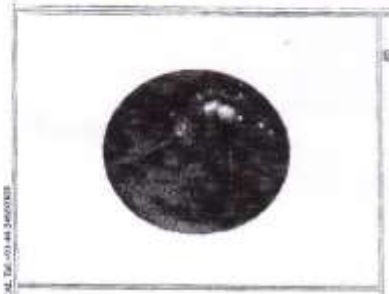
my only request to all is that.. Just trust the therapy & uncleji.. Ur confidence will in turn help you to heal faster that you think. Have faith on it.

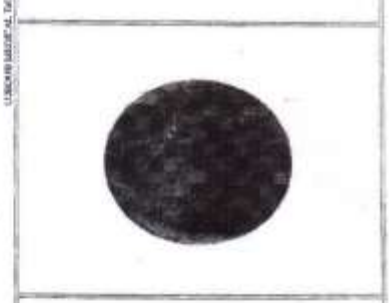
Regards,
Hitesh .S. Vajawat
+91 98411 53605.

Madras ENT Research Foundation (P) Ltd

1, I Cross Street,Off II Main Road, R.A.Puram, Chennai - 600028. Ph:+91 44 24311411/12/13/14/15

Patient Name	HITESH	Age / Sex	30/Male
Patient ID	00002994	Visit Date	17/11/200[illegible]
Referred By	Dr.Mohan Kameswaran	Consulted By	Dr.Mohan Kameswaran
Procedure	VL Scopy	Medication	Local Anaesthesia







EDEMATOUS FUSIFORM VOCAL CORDS.

VEGETARIANISM PAPER CUTTING

INDIAN EXPRESS 12-1-98

Vegetarianism for the sake of world peace

By MayaRanganathan

Chennai, Jan 11: By any standards, Vipin Chand, 54, is a strange man. "Peculiar, that's the way I'd describe myself," he says. A businessman who deals with thermometers, he turns away customers because they are smokers or alcoholics! He disapproves of non-vegetarianism not non-vegetarians) and has taken upon himself the task of converting more and more people to vegetarianism.

Pressing a small silver coin into your hand, he says, "that sums up my philosophy". The message reads: 'Vegetarianism spreads peace' and on the reverse 'Spread vegetarianism for world peace'. "I had this specially made as an incentive for those who switch over to vegetarianism and stay that way.".

Vipin's passion for vegetarianism started early when he read up all the books possible on the subject – "not just books by Indian authors but also the latest research on the subject in the west". With just one handshake he can tell whether you are a vegetarian, a smoker or a drinker! "It is not just the skin temperature, but even the way you conduct yourself that gives away whether you are a vegetarian or not," says Vipin.

"I was a member of Rotary Club and being a pure vegetarian, a teetotaler and a non-smoker I was at a disadvantage. I could not participate in any of the social gatherings. That was when I decided to start a club of my own with members who are like me." No easy task, but then Vipin decided to take on people who are willing to change to his way of life.

Thus was born the Rotary Club of Chennai Mid City. All the members are strict vegetarians and make an effort to quit detestable addictions. But Vipin's task hardly ends at the club. "My work is at my shop." On any given day, when he opens his shop at George Town at 6.45 a.m, till he winds up his day at 8.30 p.m, "I meet any number of people. Some I advise and others outright command. And there is always a discount for the pure vegetarian!"

Among the two score people he has persuaded to give up meat, alcohol and cigarettes, some are his customers, some his acquaintances and others his employees. Gangadharan, who works for Vipin, says he used to feel drained, exhausted and complain frequently of body pain and lethargy. It was then that his employer ordered him to give up meat and eggs. "Today I'm much more alert and energetic and have managed to convert my family members too," says he. Gurusamy, a smoker for three years, gave up cigarettes a year ago and has not thought of it ever since.

There are more interesting tales - of a Muslim tailor who gave up meat about a year ago. "I'm waiting for Bakrid to see if he will to keep his vow." Of the Muslim girl who he converted to vegetarianism when she was betrothed. "She went to her in-laws, told them that she would stay only a vegetarian and till this day remains that way," says Vipin who keeps a constant watch on his 'patients' and rewards them.

"It is a humbug that non-vegetarians are stronger than vegetarians," declares Vipin. "There is more protein in groundnuts than eggs. Vegetarian diet gives you the stamina and more memory power." And as you look at him incredulously, he adds, "why are doves entrusted with taking mail and not a crow? Because a crow just doesn't have the capacity to think."

Vipin is full of such examples. "You may think a cheetah is more powerful, but it is the deer that can run faster."

Closer home, Vipin has tried out his experiment on his German Shepherd. Fed on bananas, rasgolla and panneer it is much more intelligent than an average Alsatian, he says.

Vipin has yet another project up his sleeve - an Ayurvedic hospital with all modern facilities for diagnosis.

"That would require a lot money. Till then, I go about counselling all who come to me with problems", Vipin points out.

नवभारत | रायपुर रविवार 11 जनवरी 2009 | 12



जीरो थैरेपी पर आयोजित सेमीनार को संबोधित करते चेन्नई निवासी विपिनचंद्र बंब.

शरीर की प्रतिक्रिया को जानने से बड़ा कोई इलाज नहीं

- विनय मित्र मंडल के जीरो थैरेपी सेमीनार में विपिनचंद्र बंब ने कहा

नवभारत प्रतिनिधि

रायपुर. समाजसेवी संस्था विनय मित्र मंडल द्वारा जैन दादाबाड़ी में जीरो थैरेपी पर आयोजित सेमीनार में जीरो थैरेपी फाउंडेशन चेन्नई के अध्यक्ष विपिन चंद्र बंब ने कहा कि शरीर ही आपका मुख्य चिकित्सक है, केवल जरूरत है शरीर के निर्देशों मानने को और उसकी चेतावनियों पर सावधान होकर उस अनुरूप जीवन को ढालने की. जीभ देखकर बीमारी का पता लगाने वाले श्री बंब के अनुसार जीरो थैरेपी में बिना दवा के कई रोगों का सफल इलाज है. उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति को बीमार होते नहीं देखा होगा जिसका मल-मूत्र विसर्जन नियमित और बराबर मात्रा में होता है, क्योंकि आहार, दिनचर्या और जीवन शैली पर उसका नियंत्रण है. व्यक्ति यदि केवल यह साधारण सी सावधानी रखे तो उसे बड़े-बड़े मेडिकल टेस्ट कराने और दवाइयां खाने की कोई जरूरत नहीं. उन्होंने कहा- एलर्जी या रियेक्शन कोई बीमारी नहीं है, जीरो थैरेपी में यह केवल शरीर के भीतर के तत्वों का असंतुलन मात्र है. ब्लड कैंसर और कुछ नहीं यह केवल शरीर पर अति मात्रा में दवाइयों का हुआ असर है. शरीर जिसके लिए मना कर रहा है, उसे मत करो, या सीमा से ज्यादा कतई न करो, बीमारी अपने आप भाग जाएगी. एलर्जी का अर्थ यही है कि शरीर के भीतर कोई तत्व सामान्य से ज्यादा हो गया है. समय पर उठना, समय पर सोना और चौबीस घंटे में दो बार निश्चित समय पर संतुलित आहार लेना ही सारी बीमारियों का इलाज है. उन्होंने कहा कि भारतीयों का शरीर शाकाहारी प्रवृत्ति का है, वह अत्यधिक प्याज, जमीकंद या तीक्ष्ण गंध वाले खाद्य को स्वीकार नहीं करता. उन्होंने स्पष्ट किया कि ज्यादा 'पेन किलर' लेने वाले व्यक्ति की हड्डियां खोखली हो जाती हैं और उससे कई तकलीफें बढ़ जाती हैं.

TRY VEGETARIANISM

Sir, This refers to the report 'vegetarianism for the sake of world peace' (Jan 12). It is heartening to know that in these days when more and more vegetarians are taking to non-vegetarianism and teetotalers turning to alcoholism, there is someone like Vipin Chand who is trying to convert people to vegetarianism convincing them of its benefits.

There are several non-vegetarian joints coming up in the City and it has become difficult to find exclusive vegetarian restaurants which offer pure vegetarian fare. We have reached such a situation that right from finding a vegetarian bridegroom and a bride to finding a vegetarian tenant for a house it has become an impossibility, especially if one belongs to a certain section of society which forms a small percentage. I wish all luck to Vipin Chand and may he succeed in his efforts to spread the concept of vegetarianism.

N. Meera Rao, Chennai

Scanned with OKEN Scanner